NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 15 अंकः 167 लखनऊ, शनिवार 07 फरवरी 2026 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

भारत-मलेशिया की संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी होगी मजबूत, पीएम मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7–8 फरवरी को मलेशिया का दौरा करेंगे, जहाँ वे समकक्ष अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा और व्यापार सहयोग पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा मिलने के बाद पहली है, जो राजनयिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7–8 फरवरी को मलेशिया की यात्रा पर जा रहे हैं और वहां वे अपने समकक्ष अनवर इब्राहिम से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया की तीसरी यात्रा है और अगस्त 2024 में द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिए जाने के बाद यह उनकी पहली यात्रा है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा

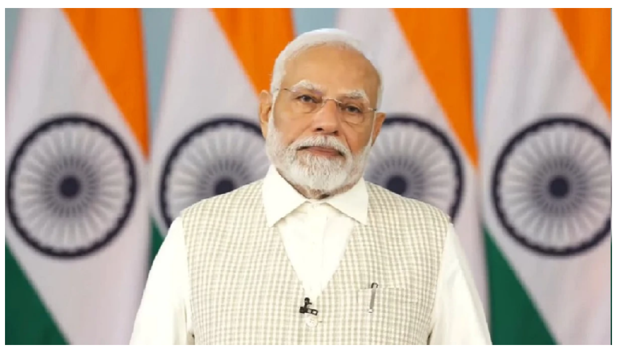

के दौरान भारत रक्षा क्षेत्र में सहयोग के अवसरों की तलाश कर रहा है, जिसमें डॉर्नियर विमानों की बिक्री, स्कॉर्पीन पनडुब्बियों और SU–30 विमानों का रखरखाव शामिल है। अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी मलेशिया में रहने वाले भारतीय प्रवासियों और अन्य व्यापारिक प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे। मलेशिया में 29 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो विश्व में तीसरे सबसे बड़े हैं और मलेशिया में दूसरे सबसे बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय (27 लाख) हैं। आसियान और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में मलेशिया भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का एक प्रमुख स्तंभ है। कुआलालंपुर के ब्रिकफील्ड्स में स्थित तोराना गेट, दोनों देशों के बीच निरंतर मित्रता के प्रतीक के रूप में भारत द्वारा मलेशिया को दिया गया एक उपहार है। तोराना गेट का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मलेशिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री नजीब रजाक ने 23 नवंबर 2015 को संयुक्त रूप से किया था। 19–21 अगस्त 2024 को अनवर इब्राहिम की भारत यात्रा के दौरान भारत–मलेशिया के राजनयिक संबंधों को श्व्यापक रणनीतिक साझेदारीश का दर्जा दिया गया। इससे पहले, 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को श्उन्नत रणनीतिक साझेदारीश का दर्जा दिया गया था। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध 1957 में स्थापित हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने 6 जुलाई, 2025 को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से भी मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने 26 अक्टूबर, 2025 को कुआलालंपुर में आयोजित 22वें आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से भाग लिया था। दोनों प्रधानमंत्रियों ने 22 अक्टूबर, 2025 को फोन पर भी बातचीत की थी।

मुख्यमंती जनता सेवा योजना में बड़ा फैसला ग्रामीण बसों के चालकों-परिचालकों का मानदेय बढ़ा, प्रति किलोमीटर 14 पैसे की वृद्धि तत्काल लागू

संवाददाता।

लखनऊ उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा जनहित में संचालित माननीय मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के अंतर्गत ग्रामीण अंचलों में चल रही बस सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, नियमित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। योजना के तहत बसों के संचालन में लगे चालकों एवं परिचालकों को दिए जाने वाले मानदेय में प्रति किलोमीटर 14 पैसे की वृद्धि की गई है, जिसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।इस संबंध में जानकारी देते हुए परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के अंतर्गत अब तक संविदा चालकों एवं परिचालकों को प्रति किलोमीटर 2.18 रुपये की दर से भुगतान किया जा रहा था। नवीन निर्णय के अनुसार अब यह दर बढ़ाकर 2.32 रुपये प्रति किलोमीटर कर दी गई है। उन्होंने कहा कि परिवहन निगम द्वारा की गई यह वृद्धि बस संचालन से जुड़े चालकों, परिचालकों एवं सेवा प्रदाताओं के लिए आर्थिक संबल का कार्य करेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बसों का संचालन और अधिक नियमित, सुरक्षित एवं सुचारु रूप से किया जा सकेगा।परिवहन मंत्री ने कहा कि इस निर्णय का सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा। ग्रामीण अंचलों में आवागमन के लिए निर्भर बड़ी आबादी को बेहतर, निरंतर और भरोसेमंद परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल बसों की संख्या बढ़ाना नहीं है, बल्कि उनके संचालन को स्थायी, सुरक्षित और यात्रियों के अनुकूल बनाना भी है। इसी दृष्टिकोण के तहत चालकों और परिचालकों के मानदेय में वृद्धि का निर्णय लिया गया है।उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार जनसाधारण को किफायती, सुरक्षित एवं सुलभ परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ग्रामीण परिवहन को मजबूत करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाते रहेंगे।

माननीय मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के अंतर्गत संचालित बसों का किराया साधारण बसों की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत कम रखा गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को कम किराये में अपने गंतव्य तक पहुंचने की सुविधा मिल रही है।परिवहन मंत्री ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जनता सेवा बस योजना ग्रामीण परिवहन को सशक्त बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी 20 क्षेत्रों में अनुमन्य 395 मार्गों पर कुल 299 बसों का संचालन उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा किया जा रहा है। इन बसों के माध्यम से दूरस्थ और ग्रामीण इलाकों को मुख्य मार्गों एवं शहरी केंद्रों से जोड़ा जा रहा है, जिससे रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान हुई है।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मानदेय में वृद्धि के इस निर्णय से न केवल बस सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी, जिससे प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी।

इस्लामाबाद के एक शिया इमामबाड़ा में शुक्रवार की नमाज के दौरान हुए आत्मघाती बम विस्फोट में 31 लोग मारे गए

इस्लामाबाद के एक शिया इमामबाड़ा में शुक्रवार की नमाज के दौरान हुए आत्मघाती बम विस्फोट में 31 लोग मारे गए, जो राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान में एक बड़ा सैन्य अभियान चला रही है, हालांकि अभी तक किसी समूह ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है।शुक्रवार को इस्लामाबाद के शहजाद टाउन इलाके में स्थित तरलाई इमामबाड़ा में एक विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 अन्य घायल हो गए। यह घटना शुक्रवार की नमाज के लिए नमाजियों के इकट्ठा होने के दौरान हुई। प्रारंभिक जांच के बाद अधिकारियों ने इसे आत्मघाती बम हमला बताया है। इमामबाड़ा वह स्थान है जहां शिया मुसलमान कर्बला त्रासदी की याद में शोक मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं।घायलों को इलाज के लिए पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) और पॉलीक्लिनिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव अभियान जारी है और सुरक्षा बल मौके पर पहुंच चुके हैं। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विस्फोट की कड़ी निंदा की है। उनके कार्यालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया है और इसकी कड़ी निंदा की है।इस्लामाबाद में आत्मघाती बम हमला ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तानी सेना ने अपने बलूचिस्तान प्रांत में रद–उल–फितना–1 नाम से एक बड़ा अभियान चलाया है। 26 जनवरी को शुरू हुए इस अभियान में पाकिस्तानी सेना ने 216 बलूच विद्रोहियों को मार गिराया है। हालांकि, इस अभियान में 22

सुरक्षाकर्मी और 36 नागरिक भी शहीद हुए हैं। बलूचिस्तान की सीमा ईरान और अफगानिस्तान से लगती है और वहां लंबे समय से विद्रोह जारी है। बलूच समूह आजादी चाहते हैं और पाकिस्तानी सेना तथा 60 अरब अमेरिकी डॉलर के चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) से संबंधित परियोजनाओं को निशाना बना रहे हैं। यह आत्मघाती बम हमला उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान हुआ है और पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के बीच हुई घातक झड़पों के कुछ ही दिनों बाद हुआ है, जिसमें दोनों पक्षों को भारी जानमाल का नुकसान हुआ था। यह विस्फोट राजधानी में छह महीनों के भीतर हुआ दूसरा बड़ा विस्फोट है। नवंबर में, इस्लामाबाद कोर्ट परिसर में एक कार विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 25 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने उस घटना को आत्मघाती हमला बताया था।

जम्मू-कश्मीर आते ही सीधे बार्डर पर पहुँचे अमित शाह, खुद लिया सीमा चौकियों का जायजा

एजेंसी।

जम्मू–कश्मीर। हम आपको यह भी बता दें कि अमित शाह ने जम्मू के लोक भवन में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और बाद में आतंकवाद से पीड़ित कुछ परिवारों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र वितरित किये। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू–कश्मीर के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत करते हुए आज कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे अग्रिम क्षेत्रों में पहुंचे। गृह मंत्री ने हीरानगर सेक्टर में गुरनाम और बोबियां सीमा चौकियों का दौरा किया और सीमा की रक्षा कर रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की। कठुआ में गृह मंत्री ने बोबियां में सीमा रक्षकों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया व आधारशिला

रखी। हम आपको बता दें कि अमित शाह के लगातार सीमा चौकियों के दौरे को जवानों के बीच बेहद सकारात्मक माना जा रहा है। वह केवल सुरक्षा स्थिति की गहरी समीक्षा ही नहीं करते बल्कि अपने सीधे संवाद से जवानों का हौसला भी बढ़ाते हैं। उनके ऐसे दौरे यह संदेश देते हैं कि देश की सुरक्षा में लगे हर जवान के साथ सरकार मजबूती से खड़ी है और उनके कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। अपने संबोधन में अमित शाह ने खुद भी यह कहा कि वह जवानों से बहुत कुछ प्रेरणा लेकर जाते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि अमित शाह ने जम्मू के लोक भवन में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और बाद में आतंकवाद से पीड़ित कुछ परिवारों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र वितरित किये। अमित शाह का यह दौरा सीमा पर बढ़ायी गयी चौकसी के बीच हो रहा है, जिसका उद्देश्य आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकना है। साथ ही आतंकवाद रोधी अभियान भी तेज किए गए हैं, जिनमें पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवार जिलों में लगभग करीब 12 मुठभेड़ों में जैश–ए–मोहम्मद के चार पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। अमित शाह गुरुवार देर रात जम्मू पहुंचे थे और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया था। उधर, सीमावर्ती बोबिया गांव के लोगों का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि केंद्रीय गृह मंत्री अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान बॉर्डर फेंसिंग को आगे बढ़ाने की घोषणा करेंगे ताकि वह आगे तक खेती कर सकें।

पंजाब में जंगलराज? जालंधर में आप नेता लकी ओबेराय की दिनदहाड़े हत्या, गुरुद्वारे के बाहर बरसाई 10 गोलियां

जालंधर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने फोन पर बताया कि यह घटना सुबह हुई। उन्हें अचेतावस्था में एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि ओबेरॉय (38) अपने वाहन से गुरुद्वारा पहुंचे थे। पंजाब के जालंधर से एक दहला देने वाली खबर सामने आई है। शहर के पॉश इलाके मॉडल टाउन स्थित एक गुरुद्वारे के बाहर शुक्रवार सुबह अज्ञात हमलावरों ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता लकी ओबेरॉय (38) की अंधाधुंध गोलियां मारकर हत्या कर दी। इस दुस्साहसिक वारदात ने राज्य की कानून–व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जालंधर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने फोन पर बताया कि यह घटना सुबह हुई। उन्हें अचेतावस्था में एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि ओबेरॉय (38) अपने वाहन से गुरुद्वारा पहुंचे थे। पुलिस के अनुसार, वह गुरुद्वारे में मत्था टेकने के बाद वहां से निकल रहे थे तभी दोपहिया वाहन पर सवार हमलावरों ने उनपर आठ से 10 गोलियां चलाईं।

सहायक पुलिस आयुक्त (जालंधर) परमिंदर सिंह ने बताया कि ओबेरॉय को जालंधर के एक अस्पताल ले जाया गया, लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने वाहन पर कई गोलियां चलाईं और फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हमलावरों ने ओबेरॉय की गतिविधियों की रेकी की होगी। गोलीबारी की घटना में ओबेरॉय की गाड़ी और वहां खड़ी एक अन्य गाड़ी के शीशे टूट गए।पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और हमलावरों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। ओबेरॉय को जिस निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां के एक चिकित्सक ने पत्रकारों को बताया कि उन्हें सुबह करीब 8रू10 बजे अस्पताल लाया गया था। चिकित्सक ने बताया, ''वह बेहोश थे और उनका रक्तचाप मापने लायक नहीं था। उनपर आठ से नौ गोलियां चलाई गई थीं, और एक गोली उसके सीने से होते हुए निकल गई।''चिकित्सक ने बताया कि हरसंभव प्रयास के बावजूद ओबेरॉय को बचाया नहीं जा सका। इस बीच, विपक्षी पार्टियों ने भगवंत मान की अगुवाई वाली सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के शासन में राज्य में कानून व्यवस्था चरमरा गयी है। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जालंधर में एक गुरुद्वारे के बाहर आप की पंजाब इकाई के नेता लकी ओबेरॉय की दिनदहाड़े हत्या ने कड़वी सच्चाई को उजागर किया हैरू अगर सत्तारूढ़ पार्टी के नेता सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों के लिए क्या उम्मीद बची है?'' उन्होंने कहा, ''आज पंजाब डर, गिरोहों की हिंसा और प्रशासनिक निष्क्रियता से ग्रस्त है, जबकि 'आप' सरकार केवल जनसंपर्क (पीआर) और बहानों में व्यस्त है।मुख्यमंत्री भगवंत मान को जवाब देना चाहिएरू इस पूरी तरह चरमराई व्यवस्था का जिम्मेदार कौन है?'' शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया, ''आम आदमी पार्टी की 'शून्य डर' वाली सरकार के नेतृत्व में पंजाब खून से 'लथपथ' है।'' उन्होंने कहा, ''यहां तक कि आप नेता भी अपनी ही सरकार में सुरक्षित नहीं हैं। जालंधर में गुरुद्वारे के बाहर आज सुबह 'आप' की पंजाब इकाई के नेता लकी ओबेरॉय की दिनदहाड़े हत्या इस बात का उदाहरण है।''बादल ने कहा, ''अकेले जनवरी 2026 में लगभग 25 हत्याएं हुईं। ये घटनाएं हर जगह हो रही हैं, चाहे वह अदालत परिसर हो, भीड़भाड़ वाला बाजार, शादी स्थल या गुरुद्वारा साहिब के बाहर।'' शिअद नेता ने कहा, ''कहां है पंजाब पुलिस का बहु प्रचारित गैंगस्टरों के खिलाफ युद्ध ? यह अराजकता है, शासन नहीं! भगवंत मान, आप एक और दिन के लिए भी इस कुर्सी पर बैठने के काबिल नहीं हैं।'' शिअद के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया और पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी मान सरकार पर इस घटना को लेकर हमला बोला। मजीठिया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह पंजाब में नयी सामान्य बात हो गयी है। किसी को भी कहीं भी मार डालो, जैसे मन हो... भगवंत मान आपको शर्म आनी चाहिए। आपने और आपके पंजाब पुलिस डीजीपी ने राज्य को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। कानून और व्यवस्था का पूरी तरह से पतन हो चुका है और फिर भी आप इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं...।'' कांग्रेस नेता अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि पंजाब में 'आप' के शासन में कोई सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा, ''वही हो रहा है, जिसकी हम बार–बार चेतावनी दे रहे थे। 'आप' ने पंजाब को जंगलराज में धकेल दिया है।''

राज्य अब दंगा-कर्फ्यू मुक्तहोकर प्रगति के पथ पर अग्रसर-सीएम योगी

एजेंसी।

हरिद्वार में आयोजित संत सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया, दावा किया कि राज्य अब दंगा–कर्फ्यू मुक्त होकर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित कई वरिष्ठ नेता और संत उपस्थित थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को हरिद्वार में सप्त सरोवर रोड स्थित भारत माता मंदिर के पास सप्तऋषि आश्रम मैदान में आयोजित संत सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि हाल के वर्षों में राज्य ने काफी सुधार किया है, अब राज्य में कोई दंगा या कर्फ्यू नहीं है, और यह भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी कमजोर राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई उपलब्धि बन रहा है और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है। न कर्फ्यू है, न दंगे, उत्तर प्रदेश में अब सब कुछ ठीक है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम न केवल देश के आध्यात्मिक केंद्र हैं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। उन्होंने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम केवल आध्यात्मिक केंद्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। राष्ट्र को शक्ति यहीं से मिलती है। हमने इन केंद्र बिंदुओं को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाया है। हमने इनकी विरासत का सम्मान और संरक्षण किया है। और इसका परिणाम यह है कि कभी एक कमजोर राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई क्रांति ला रहा है और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में अब न कर्फ्यू है, न दंगे, सब कुछ ठीक है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और आध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस दौरान वरिष्ठ नेताओं ने केंद्रीय मंत्री एमएल खट्टर और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के साथ गुरुदेव समाधि मंदिर में मूर्ति स्थापना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यहां उपस्थित सभी संत, आध्यात्मिक नेता और भक्त सनातन चेतना के जीवंत प्रतीक हैं और गंगा के पवित्र तट पर स्थित पवित्र सप्तऋषि क्षेत्र में एकत्रित होकर राष्ट्र और संस्कृति में अमूल्य योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन महान व्यक्तित्वों ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रीय कर्तव्य, सेवा, त्याग और करुणा को समर्पित किया, वे मात्र तपस्वी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना से जुड़े दिव्य संत थे। इस बीच, कार्यक्रम में जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, जूना अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, शंकराचार्य राजराजेश्वर आश्रम महाराज, योग गुरु बाबा रामदेव, महामंडलेश्वर स्वामी बाल्कनंद महाराज, महामंडलेश्वर विशोखानंद, महंत देवानंद सरस्वती और महंत नारायण गिरि महाराज सहित बड़ी संख्या में संत, जन प्रतिनिधि और भक्त उपस्थित थे।

छात्रवृत्ति घोटाले का बड़ा खुलासा मोनाड यूनिवर्सिटी में 53 करोड़ की लूट, छात्रों के विनाश और माफिया के विकास का आरोप

लखनऊ (आरएनएस) आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने शुक्रवार को प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश में सामने आए एक बड़े छात्रवृत्ति घोटाले का खुलासा करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ "सबका साथ,सबका विकास" का नारा देते हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश की हकीकत यह है कि यहां छात्रों का विनाश हो रहा है और कुछ गिने–चुने कॉलेज व विश्वविद्यालय मालिकों का विकास कराया जा रहा है। हापुड़ स्थित मोनाड विश्वविद्यालय में सामने आया छात्रवृत्ति घोटाला इसी सच्चाई को उजागर करता है।प्रेस वार्ता में वंशराज दुबे ने बताया कि हापुड़ की मोनाड यूनिवर्सिटी में पिछले 14 वर्षों के दौरान करीब 16,300 छात्रों के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर लगभग 53 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति का घोटाला किया गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल शुरुआती आंकड़ा है और जांच आगे बढ़ने पर घोटाले की रकम और भी बढ़ सकती है। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि ये सभी छात्र सामान्य वर्ग के थे, जिन्हें सत्ता के संरक्षण में एससी, एसटी और ओबीसी श्रेणी का दिखाकर वर्षों तक छात्रवृत्ति की रकम हड़पी गई। उन्होंने विश्वविद्यालय के मालिक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके खिलाफ सौ से अधिक जालसाजी के मामले दर्ज बताए जाते हैं, इसके बावजूद ऐसे लोग वर्षों से गरीब छात्रों के हक पर डाका डालते रहे और सरकार मूकदर्शक बनी रही।मुख्य प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश में कई ऐसे विश्वविद्यालय और कॉलेज हैं जहां छात्र केवल छात्रवृत्ति के सहारे दाखिला लेते हैं। इसी मजबूरी का फायदा उठाकर कॉलेज प्रशासन छात्रों के बैंक खाते खुलवाता है और उनकी एटीएम कार्ड व पासबुक अपने पास रख लेता है। जैसे ही छात्रवृत्ति की राशि खाते में आती है, उसे निकाल लिया जाता है और छात्रों को इसकी जानकारी तक नहीं दी जाती। उन्होंने इसे सिर्फ घोटाला नहीं, बल्कि दलित, पिछड़े और सामान्य वर्ग के गरीब छात्रों के अधिकारों पर खुली डकैती करार दिया।वंशराज दुबे ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब लगभग सात महीने चली जांच में कई गंभीर तथ्य उजागर हुए। अखबारों में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2012–13 से 2024–25 तक छात्रवृत्ति की धनराशि का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया गया है। प्रशासनिक जांच में विश्वविद्यालय को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश तक की गई, लेकिन इसके बावजूद अब तक इस मामले में कोई ठोस आपराधिक कार्रवाई नहीं की गई है।उन्होंने सवाल उठाया कि छोटे–छोटे मामलों में ईडी और सीबीआई तुरंत सक्रिय हो जाती हैं, लेकिन एक विश्वविद्यालय 14 वर्षों तक इतना बड़ा घोटाला करता रहा और उत्तर प्रदेश सरकार चुप्पी साधे रही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ "जीरो टॉलरेंस" की बात करते हैं, लेकिन यह घोटाला साबित करता है कि प्रदेश में सौ प्रतिशत करप्शन चल रहा है और डबल इंजन की सरकार पूरी तरह धुआं–धुआं हो चुकी है। मुख्य प्रदेश प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि इस छात्रवृत्ति घोटाले के तार हापुड़ से होते हुए लखनऊ और दिल्ली तक जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को शिक्षा, रोजगार और युवाओं के भविष्य से कोई सरोकार नहीं है। मध्य प्रदेश का नर्सिंग घोटाला, व्यापम घोटाला, उत्तर प्रदेश के कौशांबी का छात्रवृत्ति घोटाला और लगातार हो रहे पेपर लीक इसी मानसिकता का प्रमाण हैं।उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए और कहा कि आज थानों में गरीबों की एफआईआर तक दर्ज नहीं होती, जबकि पुलिस को खुलेआम मनमानी की छूट दी जा रही है। वंशराज दुबे ने स्पष्ट कहा कि गोली मारना पुलिस का काम नहीं है, बल्कि कानून और संविधान के तहत जांच, मुकदमा और सजा की प्रक्रिया होती है।प्रेस वार्ता के अंत में वंशराज दुबे ने कहा कि आम आदमी पार्टी इस पूरे मामले की सीबीआई से निष्पक्ष जांच, दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित छात्रों को उनकी पूरी छात्रवृत्ति वापस दिलाने की मांग करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषी चाहे हापुड़ में बैठा हो, लखनऊ में हो या किसी राजनीतिक संरक्षण में हो, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए।

आवारा कुत्तों की समस्या पर योगी सरकार सख्त जन सुरक्षा के लिए प्रदेशभर में डाग शेल्टर होम और एबीसी सेंटर की स्थापना तेज

लखनऊ (आरएनएस),प्रदेश में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और डॉग बाइट की लगातार सामने आ रही घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए योगी सरकार ने जन सुरक्षा से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर ठोस और निर्णायक कदम उठाए हैं। आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने नगर निगमों एवं जनपद मुख्यालयों पर डॉग शेल्टर होम तथा एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर की स्थापना की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। शासन स्तर पर इस योजना को प्राथमिकता देते हुए भूमि चिह्नीकरण, बजट निर्धारण और परियोजना स्वीकृति की कार्रवाई एक साथ आगे बढ़ाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस विषय में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप ही पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान मानवीय, वैज्ञानिक और स्थायी तरीके से किया जाए। सरकार का मानना है कि डॉग शेल्टर होम और एबीसी सेंटर की प्रभावी और सुव्यवस्थित व्यवस्था से जहां एक ओर आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, वहीं दूसरी ओर पशु कल्याण को भी मजबूती मिलेगी। यही कारण है कि इस योजना को केवल अस्थायी समाधान नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीति के रूप में लागू किया जा रहा है।शासन द्वारा नगर निगम क्षेत्रों में पहले से संचालित अथवा प्रस्तावित एबीसी सेंटरों के साथ डॉग शेल्टर होम विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक नगर निगम को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि वह उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराए और आवश्यक प्रशासनिक औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण करे। शासन ने स्पष्ट किया है कि डॉग शेल्टर होम और एबीसी सेंटर की स्थापना की पूरी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस और पशु कल्याण से जुड़े सभी मानकों के अनुरूप होगी।

योगी सरकार ने डॉग शेल्टर होम की स्थापना के लिए अलग से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। अब तक प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार एक डॉग शेल्टर होम की अनुमानित लागत 470 लाख रुपये से लेकर 531 लाख रुपये तक आंकी गई है। डीपीआर में शेल्टर होम की क्षमता, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, पशु चिकित्सा सुविधाएं, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, सुरक्षा इंतजाम और प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती जैसे सभी आवश्यक बिंदुओं को शामिल किया गया है। शासन स्तर पर इन डीपीआर को सैद्धांतिक मंजूरी दी जा चुकी है और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप अगले चरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।प्रगति रिपोर्ट के अनुसार प्रयागराज नगर निगम क्षेत्र में तहसील सोरांव के ग्राम मऊर उपरहट में डॉग शेल्टर होम के लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। लखनऊ नगर निगम क्षेत्र में भी भूमि उपलब्धता को लेकर कार्यकारिणी बोर्ड से प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। इसके अतिरिक्त अन्य नगर निगमों से भी आवश्यक सूचनाएं प्राप्त की जा रही हैं, ताकि प्रदेशभर में एक समान और प्रभावी व्यवस्था लागू की जा सके।जनपद मुख्यालयों पर भी एबीसी सेंटर एवं डॉग शेल्टर होम की स्थापना को लेकर तेजी से कार्रवाई की जा रही है। ललितपुर में 12.182 हेक्टेयर, हरदोई में 0.2 हेक्टेयर, बुलंदशहर में 2000 वर्ग मीटर तथा फतेहपुर में 0.769 हेक्टेयर भूमि एबीसी सेंटर और डॉग शेल्टर होम के लिए चिह्नित की जा चुकी है। शेष जनपदों से सूचनाएं प्राप्त होते ही वहां भी भूमि चिह्नीकरण और परियोजना स्वीकृति की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी।प्रदेश सरकार का मानना है कि इन कदमों से न केवल डॉग बाइट की घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि आवारा कुत्तों की समस्या का मानवीय और व्यवस्थित समाधान सुनिश्चित होगा। जन सुरक्षा और पशु कल्याण को साथ लेकर चलने की इस पहल को योगी सरकार की एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

नगर निगम मुख्यालय निर्माण में देरी पर महापौर सख्त, औचक निरीक्षण में चीफ इंजीनियर को फटकार, पेट्रोल पंप तत्काल हटाने के निर्देश

लखनऊ (आरएनएस)। गोमती नगर स्थित नगर निगम वर्कशॉप (आरआर) परिसर में निर्माणाधीन नगर निगम के नवीन मुख्यालय भवन के कार्यों में हो रही लगातार देरी और प्रशासनिक बाधाओं को लेकर शुक्रवार सुबह महापौर सुषमा खर्कवाल ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में सबसे बड़ी बाधा बने पेट्रोल पंप को अब तक स्थानांतरित न किए जाने पर महापौर ने चीफ इंजीनियर आरआर मनोज प्रभात को कड़ी फटकार लगाई। इस दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार भी मौके पर मौजूद रहे।निरीक्षण के समय महापौर ने निर्माण स्थल की वस्तुस्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर निगम की वर्कशॉप और उससे जुड़े पेट्रोल पंप को स्थानांतरित करने के निर्देश लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व ही दिए जा चुके थे, इसके बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई। महापौर ने अधिकारियों से सवाल किया कि जब निर्णय समय रहते ले लिया गया था, तो फिर उसके क्रियान्वयन में इतनी गंभीर लापरवाही कैसे हुई।महापौर ने याद दिलाया कि 16 जुलाई 2024 को नगर विकास मंत्री एके शर्मा द्वारा भूमि पूजन के अवसर पर ही पेट्रोल पंप हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद तत्कालीन नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने भी अपने कार्यकाल के दौरान कई बार इस पंप को स्थानांतरित करने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके, संबंधित अधिकारियों द्वारा इन आदेशों की अनदेखी की गई, जिसका सीधा असर नगर निगम के नवीन मुख्यालय भवन के निर्माण कार्य पर पड़ा।उन्होंने बताया कि इस संबंध में नगर निगम के सदन और कार्यकारिणी द्वारा प्रस्ताव भी पारित किया जा चुका था। साथ ही चीफ इंजीनियर आरआर को यह स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि जब तक नई जगह पर पेट्रोल पंप की स्थापना नहीं हो जाती, तब तक डीजल और अन्य ईंधन की व्यवस्था किसी वैकल्पिक पंप से सुनिश्चित की जाए। इसके बावजूद इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया, जिससे निर्माण कार्य बाधित होता रहा।महापौर ने कहा कि नगर निगम का नया मुख्यालय भवन शहर के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। इसका उद्देश्य नगर निगम की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक सुचारु, पारदर्शी और आधुनिक बनाना है। ऐसे में इस तरह की लापरवाही न केवल समय और सरकारी संसाधनों की बर्बादी है, बल्कि जनहित से जुड़े कार्यों में भी अनावश्यक रुकावट पैदा करती है।उन्होंने यह भी बताया कि निर्माण कार्य कर रही एजेंसी सीएनडीएस ने पेट्रोल पंप और वर्कशॉप के स्थानांतरण में हो रही देरी को लेकर उन्हें औपचारिक शिकायत दी थी। एजेंसी का कहना था कि इस वजह से निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुसार आगे नहीं बढ़ पा रहा है। इसी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने स्वयं मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करने का निर्णय लिया।निरीक्षण के दौरान महापौर ने साफ कहा कि चीफ इंजीनियर आरआर द्वारा अपने दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही बरती गई है, जिसके कारण नगर निगम के नवीन भवन के निर्माण में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न हुई हैं। उन्होंने मौके पर ही पेट्रोल पंप को तत्काल प्रभाव से हटाने के सख्त निर्देश दिए।महापौर ने चेतावनी दी कि भविष्य में यदि इस प्रकार की लापरवाही दोहराई गई, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में आ रही सभी बाधाओं को शीघ्र दूर किया जाए और परियोजना को निर्धारित समय में पूर्ण कराया जाए, ताकि शहरवासियों को जल्द से जल्द आधुनिक और सुविधाजनक नगर निगम मुख्यालय का लाभ मिल सके।

बीबीएयू में पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन पर प्रबंध विकास कार्यक्रम आयोजित, युवाओं से रोजगार सृजन की अपील

लखनऊ (आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 6 फरवरी को प्रबंध अध्ययन विभाग (बीबीएयू) और एमएसएमईदृ विकास कार्यालय, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विषय पर आधारित प्रबंध विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में एमएसएमईदृविकास कार्यालय, कानपुर के डायरेक्टर वी.के. वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डीन ऑफ अकादमिक अफेयर्स एस. विक्टर बाबू, एमएसएमई असिस्टेंट डायरेक्टर नीरज कुमार और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. तरुणा मंचासीन रहीं।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन हुआ और आयोजन समिति की ओर से अतिथियों व शिक्षकों को पौधा भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। प्रारंभ में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. तरुणा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य और रूपरेखा से अवगत कराया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति राज कुमार मित्तल ने कहा कि आज के युवाओं को केवल नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाला बनना होगा, तभी विकसित भारतदृ2047 का सपना साकार हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इस दिशा में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यदि विद्यार्थियों को प्रारंभ से ही नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया जाए तथा उन्हें आवश्यक आधारभूत सुविधाएं, मार्गदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, तो वे अपनी क्षमताओं को सही दिशा में विकसित कर सकते हैं।

विरासत के सम्मान से सुरक्षित हुई बेटियां, सशक्त हुआ व्यापारी, यूपी बना विकास और सुशासन का माडल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/हरिद्वार, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक समय ऐसा था, जब देश की महान विरासत को कोसा जाता था, उसे अपमानित और लांछित किया जाता था। राम भक्तों पर गोलियां चलती थीं और यह केवल किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अपमान था। इसके दुष्परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश अराजकता, लूट और दंगों का अड्डा बन गया था। गुंडागर्दी चरम पर थी, न बेटियां सुरक्षित थीं और न ही व्यापारी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनकी सरकार में विरासत को सम्मान मिला, तो प्रदेश में सुरक्षा का वातावरण बना, बेटियां सुरक्षित हुईं और व्यापारियों को भी निर्भय माहौल मिला। आज उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को हरिद्वार में आयोजित स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की श्री विग्रह मूर्ति स्थापना समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में न अराजकता है, न फसाद, न गुंडागर्दी है, न दंगे हैं। यूपी में अब सब चंगा है। दंगा और दंगाई दोनों गायब हो चुके हैं और कर्फ्यू अब दंगाइयों पर लगता है। यह सब इसलिए संभव हुआ क्योंकि सरकार की नीति स्पष्ट और नीयत साफ रही। उन्होंने कहा कि क्या कोई कल्पना कर सकता था कि 500 वर्षों के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होगा, लेकिन आज वह सपना साकार हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि बिना किसी औपचारिक प्रशासनिक अनुभव के वह उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य को कैसे चला रहे हैं। इस पर उनका उत्तर होता है कि वह आश्रम व्यवस्था से जुड़े रहे हैं। प्रशासन और प्रबंधन का वास्तविक ज्ञान भारतीय आश्रम पद्धति से ही मिलता है। भारत का संन्यासी आश्रम परंपरा से ही नेतृत्व और अनुशासन सीखता है। प्रशासन हमारे संस्कारों और जींस का हिस्सा है। एमबीए की वास्तविक शिक्षा भारतीय आश्रम पद्धति में निहित है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश आज अराजकता से निकलकर विकास और सुशासन का एक प्रभावी मॉडल बनकर उभरा है। भारत की प्रशासनिक, आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति की जड़ें आश्रम और गुरुकुल परंपरा में रही हैं, जहां कृषि, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद, शिल्प और प्रशासन जैसे विषयों का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाता था।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माघ मेले का उल्लेख करते हुए बताया कि अब तक 21 करोड़ से अधिक श्रद्धालु मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती के त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां पहले अव्यवस्था दिखाई देती थी, वहीं आज अयोध्या, काशी, मथुरा–वृंदावन, प्रयागराज, हरिद्वार, बदरीनाथ धाम और केदारनाथ धाम केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बन चुके हैं। भारत को शक्ति इन्हीं आस्था स्थलों से मिलती है। जब इन केंद्रों को सम्मान और संरक्षण मिला, तो उसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए। लंबे समय तक बीमारू राज्य कहलाने वाला उत्तर प्रदेश आज देश की अर्थव्यवस्था के लिए ब्रेकथ्रू बनकर निरंतर प्रगति कर रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका जन्म देवभूमि उत्तराखंड में हुआ है। वर्ष 1982 में भारत माता मंदिर के भव्य लोकार्पण का आयोजन हुआ था, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और सर संघचालक बालासाहब देवरस की उपस्थिति रही थी। यह इस बात का प्रतीक था कि राष्ट्र के प्रति सम्मान सर्वोपरि है, लेकिन मूल्यों से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। विपरीत परिस्थितियों में भी स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज ने भारत माता मंदिर के निर्माण के माध्यम से देश को आध्यात्मिक नेतृत्व का स्थायी स्मारक दिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तराखंड के चार धाम भारत की चेतना के आधार स्तंभ हैं। हरिद्वार आते समय बचपन से ही मन में हरि की पैड़ी में स्नान और भारत माता मंदिर के दर्शन की भावना रहती थी। यहां न जाति का भेद था और न धर्म का कोई अंतर। भारत माता मंदिर में पूरे देश का स्वरूप प्रतिबिंबित होता है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश ने व्यापक परिवर्तन देखा है। अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज से लेकर केदारपुरी, बदरीनाथ और हरिद्वार तक विकास की एक लंबी गाथा विरासत को संजोते हुए आगे बढ़ी है। यह नए भारत के निर्माण की वही गाथा है जिसका इंतजार वर्तमान पीढ़ी सदियों से कर रही थी।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है, बल्कि ऋषि परंपरा की तपस्या से निर्मित एक राष्ट्र है। भारत की आत्मा धर्म में निहित है और जहां धर्म है, वहीं विजय है। इतिहास गवाह है कि जो राष्ट्र अपनी सभ्यता और संस्कृति की उपेक्षा करता है, वह न वर्तमान को सुधार सकता है और न भविष्य को सुरक्षित रख सकता है। वैदिक भारत आत्मनिर्भर सभ्यता का प्रतीक रहा है। आक्रांताओं के आने से पहले भारत एक समृद्ध और विकसित राष्ट्र था, जिसकी नींव ऋषियों की तपस्या, किसानों के श्रम और कारीगरों की सृजनशीलता पर टिकी थी।मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत तक रही और 400 वर्ष पहले भी यह 25 प्रतिशत थी। यह सामर्थ्य हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और आत्मनिर्भर व्यवस्था का परिणाम था। जैसे ही हम इन मूल्यों से दूर हुए, पतन शुरू हो गया। लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत फिर से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। उन्होंने ग्राम स्वराज की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि गांव आत्मनिर्भर इकाइयां थीं, जहां कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प फलते–फूलते थे। स्वरोजगार भारत की मूल शक्ति था और भारतीय नारी अर्थव्यवस्था की सक्रिय भागीदार थी। आश्रम और गुरुकुल परंपरा से विमुख होने के कारण ही यह व्यवस्था कमजोर हुई, जिसे फिर से सशक्त करना आवश्यक है।इस समारोह को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी और निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर उपस्थित रहे।

भारत में स्वच्छता, जाति और वर्ग में गहरा अंतर्सम्बन्ध- प्रो सक्सेना

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज में विशेष व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आशीष सक्सेना थे।कार्यक्रम का आरंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर आशिमा घोष के द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान करने तथा समाजशास्त्र विभाग की समन्वयक प्रो नंदिनी मुखर्जी के द्वारा मुख्य अतिथि को भेंट स्वरूप पौधा दे कर किया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर आशिमा घोष ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया।इसके पश्चात समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ. शालिनी सिंह ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। इसी क्रम में प्रोफेसर आशीष सक्सेना नेष्कश्यू ऑफ कास्ट क्लास और सैनिटेशन इन कंटेंपरेरी इंडियाष विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि समकालीन भारत में स्वच्छता, जाति और वर्ग में गहरा अंतर्सम्बन्ध है। जाति व्यवस्था ने पवित्रता और अपवित्रता की अवधारणा को संस्थागत रूप दिया। उनके अनुसार जाति यह निर्धारित करती है कि स्वच्छता कार्य कौन करेगा जबकि वर्ग यह निर्धारित करता है कि स्वच्छता सुविधाओं तक किसकी पहुंच होगी। निकोलस बी. डर्क्स, लुई ड्यूमों, एम एन श्रीनिवासन जैसे समाजशास्त्रियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने समकालीन भारत में जाति वर्ग और स्वच्छता जैसे मुद्दों पर व्यापक प्रकाश डाला।

इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित की गई अंतरमहाविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एस एस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्रा शुमायला हुसैन, द्वितीय पुरस्कार जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्रा राजेश्वरी पांडेय, तृतीय पुरस्कार एस एस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्रा वर्षा मालवीय तथा सांत्वना पुरस्कार आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की छात्रा शिवानी को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ऐश्वर्य सिंह ने किया।कार्यक्रम का संचालन बी. ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओंअंतरा त्रिपाठी और सुहानी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की शिक्षिकाएं डॉ नम्रता डेब, डॉ प्रमा द्विवेदी, डॉ अंकिता चतुर्वेदी, डॉ शारदा, डॉ. निर्मला गुप्ता उपस्थित रही।

दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक- प्रोफेसर सत्यकाम

बीबीएयू के शिक्षार्थियों ने किया मुक्त विश्वविद्यालय का शैक्षिक भ्रमण

प्रयागराज। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के छात्र–छात्राओं के भ्रमण दल ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शैक्षणिक क्रियाकलापों एवं दूरस्थ शिक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण दल में बीबीएयू के स्कूल ऑफ होम साइंस के अंतर्गत खाद्य एवं पोषण विभाग के एमएससी के तकरीबन 60 छात्र–छात्राओं एवं शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। भ्रमण दल के सदस्यों का स्वागत विश्वविद्यालय पहुंचने पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा की प्रभारी प्रोफेसर मीरा पाल ने किया। इस अवसर पर लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित समारोह में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है। परंपरागत शिक्षण संस्थान में अध्ययन करते हुए छात्र–छात्राएं मुक्त विश्वविद्यालय के रोजगार परक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना अत्यंत उत्साहवर्धक योजना है। इसमें विश्वविद्यालय के छात्रों को रुचि लेनी चाहिए तथा अनुसंधान का क्षेत्र और व्यापक बनाना चाहिए। इस अवसर पर बीबीएयू से आए शिक्षक प्रतिनिधियों डॉ माधुरी डेनियल एवं डॉ आशीष कुमार जाटव ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति विश्वविद्यालय का भ्रमण कराने के लिए आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व छात्र–छात्राओं ने सरस्वती परिसर में अटल प्रेक्षागृह, योग मंडपम, केंद्रीय पुस्तकालय, जंतु विज्ञान प्रयोगशाला, सेन्टर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन में ऑनलाइन रिकॉर्डिंग की गतिविधियां देखी।

यूजीसी के समर्थन में सड़क पर उतरे प्रतियोगी छात्र

हुंकार रैली में जमकर नारेबाजी

प्रयागराज। यूजीसी एक्ट को लागू करने की मांग को लेकर कई छात्र संगठनों ने जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन किया। इसमें बड़ी संख्या प्रतियोगी छात्र और इलाहाबाद विवि के छात्रों ने हिस्सा लिया। हाथ में नारे और स्लोगन लिखी तख्तियां और बाबा साहब अंबेडकर का चित्र लेकर सरकार से मांग की गई कि यूजीसी एक्ट को तत्काल लागू किया जाए ताकि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को उनका हक मिल सके।

यूजीसी के नए नियम लागू करने की मांग को लेकर अब प्रयागराज में भी प्रदर्शन हुआ। शुक्रवार को समर्थन में छात्र सड़कों पर उतरे। "ब्राह्मणवाद का नाश हो", "वोट हमारा, राज तुम्हाराष जैसे नारे लिखे प्लेकार्ड लहराते हुए छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।छात्रों के हाथों में डॉ. अंबेडकर और हैदराबाद यूनिवर्सिटी में आत्महत्या करने वाले छात्र रोहित वेमुला की बड़ी–बड़ी तस्वीरें थीं। कुछ छात्र तिरंगा भी लहरा रहे थे। सुबह करीब 11 बजे शहर के बैंक रोड पर सैकड़ों छात्र एकत्र हुए। नारेबाजी करते हुए जैसे–जैसे वे आगे बढ़े, अलग–अलग जगहों से छात्र उनके साथ जुड़ते चले गए। रैली जब इलाहाबाद यूनिवर्सिटी पहुंची, तब तक छात्र–छात्राओं की संख्या बहुतायत से अधिक हो चुकी थी। नारेबाजी करते हुए जैसे ही रैली कलेक्ट्रेट पहुंची, बड़ी संख्या में वकील भी समर्थन में उतर आए और नारे लगाने लगे। उधर, छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए 100 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती रही।ज्ञात हो कि 29 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में भेदभाव रोकने से जुड़े यूजीसी के नए नियमोंपर रोक लगा दी थी। कोर्ट का कहना था कि नियमों के प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका है। यूजीसी के वर्ष 2012 के नियमों में संशोधन के बाद 13 जनवरी 2026 को नए नियम जारी किए गए थे। छात्रों का एक वर्ग इन नियमों को जरूरी बता रहा है, जबकि दूसरा वर्ग इसका विरोध कर रहा है।

प्रतापगढ़ में एफआईआर होने पर भड़के अधिवक्ता

प्रयागराज। सिविल लाइंस में अधिवक्ताओं के साथ मारपीट करने वाले टायर कारोबारी को गिरफ्तार करने और प्रतापगढ़ के महेशगंज थाने में अधिवक्ताओं के खिलाफ केस दर्ज करने के विरोध में साथी अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय का घेराव कर सड़क जाम कर दिया। इससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। अधिवक्ताओं ने आईजी पर अधिवक्ताओं के साथ अभद्रता का आरोप लगाया। अधिववक्ता पुलिस प्रशासन के खिलाफ भी नारेबाजी कर रहे हैं। महेशगंज थाने में तैनात दरोगा शिवा प्रजापति के अनुसार दो फरवरी की रात वह गश्त पर निकले थे। रात करीब 11.15 बजे हीरागंज बाजार स्थित एक गेस्ट हाउस के करीब के द्वारपूजा के लिए जा रही बरात व महेशगंज थाना क्षेत्र के अन्नावा निवासी ट्रक चालक संजीव मौर्य के बीच मारपीट की सूचना मिली। बरात में शामिल कुछ लोग खुद को अधिवक्ता बताने लगे। हंगामा बढ़ने पर चौराहे पर मौजूद पुलिसकर्मियों को बुलाया गया।दरोगा की तहरीर पर प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र के राजरूपपुर निवासी उमापति त्रिपाठी, झलवा के हिमांशू अग्रहरि, वीरेंद्र सिंह, राजा शुक्ला, अंशुमान, अवनीश शुक्ला व कालिंदीपुर निवासी ओसामा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई।

15 फरवरी तक चलेगा मध्यस्थता अभियान 2.0

'22 को सुलतानपुर में मेगा विधिक सेवा शिविर'

सुलतानपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर तथा जनपद न्यायाधीश के मार्गदर्शन में जनपद सुलतानपुर में मध्यस्थता अभियान 2.0 संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 01 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक चलेगा, जिसके अंतर्गत न्यायालयों में लंबित मामलों का निस्तारण आपसी सुलह–समझौते के माध्यम से कराया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुलतानपुर के सचिव मुक्ता त्यागी ने बताया कि अभियान के तहत मध्यस्थता योग्य वादों को चिन्हित कर संबंधित पक्षकारों को संदर्भित किया जा रहा है। जनपद की समस्त न्यायालयों एवं बाह्य न्यायालयों से भी ऐसे मामलों को मध्यस्थता के लिए भेजे जाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान हो सके।सचिव ने बताया कि अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है, जिससे आम जनमानस अधिक से अधिक लाभ उठा सके। 'मेगा विधिक सेवा शिविर की तैयारियों का निरीक्षण' जनपद न्यायाधीश सुलतानपुर के निर्देश पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जनपद सुलतानपुर में स्थित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विधिक सेवा शिविर का आयोजन कर वृद्धजनों को उनके अधिकारों, सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता तथा अन्य विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।निरीक्षण के दौरान वृद्धजनों की व्यवस्था, नाश्ता, भोजन, साफ–सफाई एवं मौसम को देखते हुए गर्म कपड़े उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित कर्मचारियों को दिए गए।

सेवा संघ ने 453 जरूरतमंदों को कराया निःशुल्क भोजन

सुल्तानपुर। जिले के अग्रणी सामाजिक संगठन राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ द्वारा बृहस्पतिवार देर रात स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जिला चिकित्सालय तथा रेलवे स्टेशन परिसर में निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मरीजों, उनके तीमारदारों, यात्रियों एवं अन्य जरूरतमंदों सहित कुल 453 लोगों को गरम ताजा भोजन उपलब्ध कराया गया।कार्यक्रम का आयोजन संगठन के अध्यक्ष मेराज अहमद खान के नेतृत्व में संपन्न हुआ। रेलवे स्टेशन परिसर में वरिष्ठ टिकट निरीक्षक अभिषेक अवस्थी ने जरूरतमंद को भोजन की थाली प्रदान कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।संगठन के सदस्य निजाम खान ने बताया कि स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन की थाली में अरहर की दाल, मौसमी सब्जी, रोटी और चावल शामिल रहे। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय परिसर में 290 तथा रेलवे स्टेशन परिसर में 163 लोगों को भोजन वितरित किया गया। भोजन वितरण कार्यक्रम में नफीसा बानो, हाजी फैज उल्लाह अंसारी, सरदार गुरुप्रीत सिंह, अब्दुल वदूद (मिलियन टेलर), लईक अहमद, राकेश कुमार शुक्ला, इश्तियाक अहमद, सूफियान खान, यूसुफ पठान, बैजनाथ प्रजापति, माता प्रसाद जायसवाल आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डायग्नोस्टिक जांच में लापरवाही का आरोप, महिला की हालत गंभीर

सुलतानपुर। डायग्नोस्टिक सेंटर में जांच के दौरान कथित चिकित्सकीय लापरवाही का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कुड़वार थाना क्षेत्र के ग्राम बेला पश्चिम निवासी अभिषेक त्रिपाठी ने नगर कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर संबंधित डॉक्टर और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित के अनुसार 26 जनवरी को वह अपनी पत्नी शीतल को लखनऊ स्थित आशा आयुर्वेद हॉस्पिटल ले गए थे। डॉक्टर की सलाह पर 31 जनवरी को सुलतानपुर के एक डायग्नोस्टिक सेंटर में जांच कराई गई। आरोप है कि जांच के दौरान पैथोलॉजी डॉक्टर व स्टाफ ने लापरवाही बरतते हुए महिला के गर्भाशय में एक यंत्र डाल दिया,जिससे उसकी हालत बिगड़ गई और वह कई घंटों तक असहनीय दर्द से तड़पती रही।महिला की हालत गंभीर होने पर उसे पहले हनुमत हॉस्पिटल रेफर किया गया,जहां डॉक्टरों ने बताया कि लापरवाही से उसकी जान जा सकती थी। इसके बाद परिजन महिला को तत्काल लखनऊ स्थित मेदांता हॉस्पिटल ले गए। वहां विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि जांच में हुई गंभीर चूक से महिला की जान खतरे में पड़ गई थी। लंबे इलाज और भारी खर्च के बाद महिला की जान बच सकी।पीड़ित ने पूरे मामले में दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। नगर कोतवाल ने बताया कि प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है,जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कानून का सम्यक ज्ञान और कोर्ट रूम में जाकर प्रैक्टिस करना दो अलग बाते- डा. ए के सिंह

सुल्तानपुर। कानून का सम्यक ज्ञान और कोर्ट रूम में जाकर प्रैक्टिस करना दो अलग बातें हैं। फिर भी कानूनी ज्ञान मनुष्य की समझ को बढ़ाता है और परिष्कृत करता है। जनपद ही नहीं पूर्वांचल के सुप्रसिद्ध सर्जन डॉक्टर ए के सिंह ने बताया कि अभी हमने कानून की परीक्षा पास किया है। मेरा मानना है कि कानून का ज्ञान हर नागरिक के लिए जरूरी है क्योंकि इससे हमें अधिकारों ध् कर्तव्यों ध् समाज में सही आचरण की समझ आती है। अन्याय या भेदभाव होने पर क्या करना है, पुलिस या प्रशासन की सीमा क्या है। अपने कर्तव्यों को समझना दूसरे के अधिकारों का सम्मान, देश के कानूनों का पालन, लोकतंत्र को मजबूत रखने के लिए एवं जिम्मेदार नागरिकों को गलत कार्य करने से रोकती है। दंड के परिणाम समझाती है और समाज में शांति व्यवस्था बनाये रखने में सहायक है।

अतः कानून का ज्ञान व्यक्ति को जागरूक सुरक्षित और जिम्मेदार नागरिक बनाता है, कानून हमें अधिकारों के साथ ही कर्तव्यों की बात भी सिखाता है। कोविड की दूसरी लहर जिसमें कि हर व्यक्ति को ऑनलाइन स्टडीज, कॉन्फ्रेंस सुनने और एक ही जगह सीमित कर दिया गया था। उस समय का उपयोग मन में आया कि एलएलबी किया जाय, इसमें सर्वप्रथम मैंने केएनआई के प्राचार्य लॉ विभाग में कार्यरत हैं, उनसे मिला समझा पुस्तकों का संकलन और फॉर्म भरने के लिए राम मनोहर लोहिया अवध विश्व विद्यालय अयोध्या से ऑनलाइन क्लास की पढ़ाई करते हुए सोचा कि जिस सेमेस्टर में अनुत्तीर्ण हो जाऊंगा वहीं से पढ़ाई छोड़ दूंगा। पढ़ाई और परीक्षा देते गए रेगुलर कोई बाधा नहीं आयी।

अधिकतर मेरी पढ़ाई यूट्यूब से हुई, मोटी किताबें पढ़ना छोड़ दिया एल एल बी की, परीक्षा पास करने के बाद मन में था कि एआईबीई की परीक्षा पास करनी है।जो कि नवंबर में हुई 30 नवंबर 2025, यह मेरी पहली परीक्षा थी जो कि किताबों के साथ हुई। 30 नवंबर पढ़ते समय ।प्ठम् की तैयारी के समय यूट्यूब पर बहुत से लोगों ने वीडियो बनाया हुआ पढ़ा, कि कैसे पास कर सकते है प्रश्न निश्चित रूप से सरल नहीं थे (इतने कठिन भी नहीं थे) रणनीतिक मैंने शुरू में जो सही से मुझे प्रश्न आते थे उनको कोशिश करते हुए अपनी उत्तर पुस्तिका साथ–साथ भरा। फिर जो प्रश्न पतली पुस्तकों में थे उनको किया और अंत में निरीक्षक जो परीक्षा हाल में रक्षक कर रहे थे बोले की माइनस मार्किंग नहीं है। फिर सारे शत–प्रतिशत प्रश्न प्रयास किया और परीक्षा पूरी करके बैठ गया ए आई बी ई के परीक्षाफल का इंतजार करता रहा, जो की 30 नवंबर 2025 को हुई थी। 07 जनवरी 2026 को परीक्षाफल आ गया और लगभग 02 लाख 69 हजार के आसपास परीक्षार्थी थे और 69.1: रिजल्ट आया उसमें से मैं भी पास हुआ।

औसानेश्वर में चोरी का हुआ पर्दाफाश, हैदरगढ़ पुलिस ने 2 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

बाराबंकी थाना हैदरगढ़ के अंतर्गत अवसानेश्वर में 3 व 4 फरवरी की रात्रि को मन्दिर का ताला तोड़कर मन्दिर के अन्दर से चांदी का छत्तर व अरघे पर मढ़ा हुआ चांदी का पत्तर चोरी हुआ था और 5 फरवरी की रात्रि को थाना असन्द्रा के जरौली गांव में स्थित हनुमान मंदिर से दो चांदी की मुकुट और रामसनेहीघाट

स्थित रामसनेही बाबा मन्दिर से इनवर्टर, सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर एलईडी टीवी व सीसीटीवी कैमरा चोरी किया गया था , पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय बाराबंकी में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने तथा जनपद में हो रही चोरी की घटनाओं का शीघ्र अनावरण करने व चोरो को गिरफ्तार करने के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया । स्वाट सर्विलांस व थाना हैदरगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने दो चोरों वीरेन्द्र कुमार पुत्र राम शंकर निवासी कछवा थाना सुबेहा बाराबंकी, जय विश्वकर्मा पुत्र कृष्णानन्द मदारपुर तिराहा थाना कोठी बाराबंकी हालपता देवी गंज भिटरिया रोड थाना असन्द्रा 4 किलो 769 ग्राम चांदी (गलाये गये छत्र की चांदी 579 ग्राम व अरघा की चांदी 4.19 किलोग्राम) व 7 हजार रुपए नकद के साथ गिरफ्तार किया ।पूछताछ एवं जांच से ज्ञात हुआ कि अभियुक्त विरेन्द्र कुमार बहुत ही शातिर किस्म का चोर है जो मन्दिरों में पहले रेकी करने के बाद चिन्हित मन्दिर में रात्रि में चोरी की घटना को अंजाम देता था अभियुक्त विरेन्द्र मन्दिर से चोरी किए गए चांदी के आदि किमती सामान को देवीगंज स्थित ज्वैलर्स की दुकान पर जय विश्वकर्मा को सस्ते दामों में बेच देता था

बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले वाहनों पर सख्ती

'नहीं होंगे परिवहन संबंधी कार्य'

सुल्तानपुर। परिवहन विभाग ने मोटर वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट (भ्ैत्च्) लगाना अनिवार्य कर दिया है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिन वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट या थर्ड रजिस्ट्रेशन मार्क नहीं लगा होगा, उन पर किसी भी प्रकार की परिवहन संबंधी कार्यवाही नहीं की जाएगी ।बिना भ्ैत्च् वाले वाहनों के लिए स्वास्थ्यता प्रमाण पत्र, पंजीयन प्रमाण पत्र की द्वितीय प्रति, स्वामित्व अंतरण, पता परिवर्तन, पंजीयन नवीनीकरण, अनापत्ति प्रमाण पत्र, हाइपोथिकेशन पृष्ठांकन अथवा निरस्तीकरण, नया परमिट, परमिट की द्वितीय प्रति, परमिट नवीनीकरण, अस्थायी परमिट, विशेष परमिट, नेशनल परमिट सहित बीमा एवं प्रदूषण प्रमाण पत्र के अद्यतन जैसे किसी भी कार्य को स्वीकृति नहीं दी जाएगी ।परिवहन विभाग ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि सभी वाहन स्वामियों को अनिवार्य रूप से अपने वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगवानी होगी। इसके साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि कोई वाहन बिना भ्ैत्च् के सड़क पर संचालित पाया गया, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी। प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा अभियानात्मक रूप से लगातार जांच की जाएगी, जिससे नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी के पश्चात परेड का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए-

बाराबंकी ।। पुलिस अधीक्षक, बाराबंकी श्री अर्पित विजयवर्गीय द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई, तत्पश्चात परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों

को शारीरिक व मानसिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ कराई गयी व पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चेक करते हुए अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने हेतु ड्रिल की कार्यवाही कराई गयी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने रिक्रूट आरक्षियों की परेड, अनुशासन एवं शारीरिक क्षमता की भी समीक्षा की गई तथा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक द्वारा यूपी 112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर संबंधित पीआरवी के मानक के अनुसार समस्त आवश्यक उपकरणों को अपने पास रखने व उनके सुव्यवस्थित रखरखाव व साफ सफाई हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर श्री संगम कुमार, प्रतिसार निरीक्षक श्री राजेश कुमार आदि अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कुबेरेश्वर धाम में 14 फरवरी से रुद्राक्ष महोत्सव, इस बार मनाई जाएगी ग्रीन शिवरात्रि

विजडम इंडिया।

हर साल की तरह इस साल भी मध्य प्रदेश के सीहोर में स्थित कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शिव महापुराण कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जी के कुबेरेश्वर धाम में यह महोत्सव 14 फरवरी से शुरू होगा और 20 फरवरी तक चलेगा। पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के उद्देश्य से इस बार कुबेरेश्वर धाम में 'ग्रीन शिवरात्रि' मनाई जाएगी। पर्यावरण संरक्षण की थीम पर आयोजित कार्यक्रम में महाशिवरात्रि पर देश–विदेश में एक करोड़ पौधे रोपे जाएंगे। इस कार्यक्रम में सीहोर में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई जा रही है।

रुद्राक्ष महोत्सव में ये है विशेष व्यवस्था

रुद्राक्ष महोत्सव में आनेवाली भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने सीहोर के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की है। सुरक्षा व्यवस्था भी और मजबूत की जा रही है। पूरे परिसर में 256 हाई–टेक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। कुबेरेश्वर धाम से रेलवे स्टेशन तक डेढ़ दर्जन से ज्यादा अस्थायी अस्पताल बनाए जाएंगे।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है कुबेरेश्वर धाम

कुबेरेश्वर धाम में बड़ी संख्या में आनेवाले श्रद्धालुओं के लिए विशाल पक्का पंडाल बनाया गया है। 1 लाख 80 हजार स्क्वायर फीट के इस पंडाल में एक साथ करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु बैठ सकेंगे। कुबेरेश्वर धाम में उन्हें सिर्फ 5 रुपए में 1 लीटर पानी की बोतल मिलेगी। श्रद्धालुओं के भोजन के लिए 10 एकड़ में भोजनशाला तैयार की गई है। श्रद्धालुओं के हर तरह की सुविधा का ध्यान धाम में रखा गया है, ताकि किसी भी भक्त को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

धूप से राहत लेकिन, शीतलहर के तेवर तल्ख, सावधान रहें

मेरठ। बीते कुछ दिनों से खिली धूप ने जहां ठंड के प्रकोप से राहत दी है, वहीं शीतलहर के तेवर तल्ख बने हुए हैं। मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। पहाड़ों पर हुई बर्फबारी और बारिश के बाद मैदानी इलाकों में ठंड में वृद्धि हुई थी। पिछले दो दिनों से कोहरे के छंटने के बाद लोगों को थोड़ी राहत महसूस हो रही है, और दिन में निकलने वाली धूप का लोग आनंद ले रहे हैं। हालांकि, सुबह और शाम के समय सर्द हवाओं के चलने से कंपकंपी अभी भी बढ़ जाती है।सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर यूपी शाही के अनुसार, वर्तमान मौसम की स्थिति में निकट भविष्य में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। आने वाले कुछ दिनों तक दिन में धूप खिलने और सुबह–शाम ठंड बढ़ने का सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने शीतलहर के मद्देनजर विशेष रूप से बुजुर्गों और बच्चों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। इसके साथ ही, शहर में प्रदूषण का स्तर भी धीरे–धीरे बढ़ रहा है, जो चिंता का विषय है। प्रदूषण का स्तर लगभग 200 के आसपास पहुंच रहा है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।मौसम का पूर्वानुमानदिनरू धूप खिलने की उम्मीद, राहत महसूस होगी। सुबह–शामरू सर्द हवाओं के कारण ठंड बढ़ेगी, कंपकंपी महसूस होगी। पर्वतीय क्षेत्रों का प्रभावरू पहाड़ों पर बर्फबारी और बारिश का असर मैदानी इलाकों में ठंड के रूप में दिखाई देगा। विशेष सलाह बुजुर्गों और बच्चों को अत्यधिक ठंड से बचाएं। सुबह और शाम के समय घर से बाहर निकलते समय गर्म कपड़े पहनें। प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए, आवश्यक हो तभी बाहर निकलें और मास्क का प्रयोग करें।

वरिष्ठ नागरिकों के कानूनी अधिकारों की लड़ाई के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाराबंकी सदैव तत्पर

बाराबंकी उ0प्र0राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुक्रम में श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशन में आज दिनांक–06.02.26 को वृद्धाश्रम, सफेदाबाद बाराबंकी में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में समाज कल्याण अधिकारी के अतिरिक्त मात्र पित्र सदन के प्रबन्धक, कर्मचारीगण संस्था में रहने वाले वृद्धजन शामिल हुये।इस अवसर पर श्रीमती शिवानी रावत सिविज जज सी0डि0ध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा कानूनी अधिकारों की जानकारियां देते हुये वरिष्ठ नागरिकों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों पर प्रकाश डाला और बताया गया कि वरिष्ठ नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को वरिष्ठ नागरिक माना जाता है, जिन्हें जीवनयापन हेतु गरिमा, देखभाल और सुरक्षा का अधिकार प्राप्त है। पारिवारिक पेंशनध् गुजारा भत्ता का कानूनी अधिकार, संतान या उत्तराधिकारियों द्वारा माता–पिता की उचित देखभाल न करने की स्थिति में, वरिष्ठ नागरिक न्यायालय के माध्यम से मासिक गुजारा भत्ता की मांग कर सकते हैं। प्राधिकरण द्वारा इस हेतु निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। संपत्ति के अधिकार एवं विल प्रबंधन, वसीयत (विल) बनाने, संपत्ति हस्तांतरण में होने वाली धोखाधड़ी से बचाव तथा संपत्ति संबंधी विवादों में मध्यस्थता एवं कानूनी सलाह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क दी जाती है। वरिष्ठ नागरिकों के साथ किसी भी प्रकार के शारीरिक, मानसिक या आर्थिक दुर्व्यवहार को दंडनीय अपराध घोषित किया गया है। ऐसे मामलों में त्वरित शिकायत दर्ज कराने हेतु प्राधिकरण सहायता प्रदान करता है। वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित मामलों की शीघ्र सुनवाई के लिए विशेष प्रावधान हैं। प्राधिकरण लोक अदालतों के माध्यम से भी उनके विवादों का शीघ्र निपटारा करवाता है। इसके अतिरिक्त दिनांक–22.02.26 को जी0आई0सी0 आडिटोरियम में

आयोजित होने वाले वृहद शिविर में ऐसे वरिष्ठ जन जिनका किसी प्रकार का पेंशन या अन्य कोई शासन स्तर का लाभ समाज कल्याण विभाग से दिया जाना हो उन्हें चिन्हित करते हुये शिविर के आयोजन वाले दिन ऐसे सभी लाभार्थियों को लाभ दिलाये जाने की जानकारियां देते हुये अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिये जाने के निर्देश भी दिये गये।

सीओ ब्रह्मपुरी पर अभद्रता का आरोप, दलित परिवार ने युवा शक्ति दल के साथ घेरा कप्तान ऑफिस

मेरठ। लगभग एक महीने पहले ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में टायर पंचर की दुकान करने वाले अनुसूचित जाति के बाप–बेटों पर दबंगों द्वारा किए गए हमले के मामले में पीड़ितों ने पुलिस पर मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज करने का आरोप लगाया।पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने दबाव बनाने के लिए उल्टा उनके खिलाफ भी क्रॉस केस दर्ज कर लिया। जिसकी शिकायत करने पर सीओ ब्रह्मपुरी द्वारा पीड़ित परिवार के साथ ही अभद्रता की गई। युवा शक्ति दल के कार्यकर्ताओं के साथ एसएसपी ऑफिस का घेराव करते हुए पीड़ित परिवार ने धरना देकर जमकर हंगामा किया। एसएसपी ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं।माता का बाग निवासी अनुसूचित जाति के सुंदरलाल जाटव अपने परिवार के साथ युवा शक्ति दल के जिलाध्यक्ष हर्षदीप सिंह को लेकर एसएसपी ऑफिस पहुंचे। जहां पीड़ितों ने धरना देकर सीओ ब्रह्मपुरी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एसएसपी से मिलकर सुंदरलाल ने बताया कि वह टायर पंचर की दुकान करता है। आरोप है कि बीती 13 जनवरी को कश्यप समाज के दबंगों ने दुकान पर बैठे हर्षदीप और उसके बेटे रोहित व मोहित पर जानलेवा हमला किया। हमले में तीनों बाप–बेटे गंभीर रूप से घायल हुए। मगर, पुलिस ने आरोपियों से सेटिंग करके मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया।इतना ही नहीं पीड़ितों पर दबाव बनाने के लिए पुलिस ने उनके खिलाफ भी क्रॉस केस दर्ज कर लिया। जिसकी शिकायत करने पर सीओ ब्रह्मपुरी द्वारा पीड़ितों के साथ अभद्रता करते हुए उन्हें ऑफिस से बाहर निकाल दिया गया। एसएसपी ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

ट्रंप-मोदी के आपसी रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने के द्विपक्षीय व वैश्विक मायने

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका–भारत–यूरोपीय संघ यानी जी–7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत–रूस–चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों–मुलाकातों पर निर्भर करेगा।दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र और पहली–चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका व भारत में पुनः प्रेम के पींगे परवान चढ़ने शुरू हो गए। तमाम अंतर्राष्ट्रीय व द्विपक्षीय विरोधाभासों के बीच पारस्परिक सहयोग के विभिन्न जटिल पहलुओं पर जो रजामंदी दिखाई गई और फिर यह तय हुआ कि श्धीरे धीरे प्यार को बढ़ाना है, हद से गुजर जाना है!श जिसके अपने वैश्विक निहितार्थ हैं। शायद इसी हद पर वसुधैव कुटुम्बकम और श्सर्वे भवंतु सुखिनःश की गारंटी निर्भर है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका–भारत–यूरोपीय संघ यानी जी–7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत–रूस–चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों–मुलाकातों पर निर्भर करेगा। इसलिए कूटनीतिक हल्के में इस बात की आशंका अभी से ही जताई जा रही है कि आखिर अमेरिका कब तक अपने इस परिवर्तित स्टैंड पर कायम रहा पाएगा? क्या भारत को हांकने या फंसाने की उसकी फितरत बदल पाएगी? और यदि नहीं तो फिर नए भारत की उस पर क्या सध्ी प्रतिक्रिया होगी? जैसा कि भारत ने रणनीतिक ट्रेलर अमेरिका को दिखा भी दिया है जिसकी वजह से बिगड़ैल ट्रंफ 9 महीने बाद ही सही पर पुनः काबू में आए हैं। ऐसा इसलिए कि भारत के पास द्विपक्षीय विकल्पों की कमी नहीं है!इस प्रकार देखा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच के संबंध जो साल 2025 की गर्मियों में व्यापारिक तनाव, रूस से भारत के भरोसेमंद संबंधों और टैरिफ पर टैरिफ युद्ध के कारण ठंडे पड़ गए थे, अब फरवरी 2026 आते आते गर्म होने लगे हैं। अब इनके बीच का वासंतिक प्रेम पुनः जाग गया है और आर्थिक रुमानियत और रणनीतिक अठखेल पुनः परवान चढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं।जहां तक मोदी–ट्रंफ के बीच के तनाव के मुख्य कारणों की बात है तो 2025 में ट्रंप ने भारत के निर्यात पर 50: तक टैरिफ बढ़ा दिए, खासकर टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स और जेम्स पर, जिससे द्विपक्षीय व्यापार वार्ता रुक गई। समझा जाता है कि भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना अमेरिका को पसंद नहीं आया, जबकि पाकिस्तान के प्रति ट्रंप का नरम रुख भी विवादास्पद रहा। वहीं, चुनावी राजनीति और ष्अमेरिका फर्स्टष् नीति ने व्यक्तिगत रसायन को प्रभावित किया। और अब जब मोदी–ट्रंप के आपसी रिश्ते पर जमी बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया की बात हुई तो बताया गया कि ट्रंप ने सितंबर 2025 में ही मोदी की तारीफ की और रिश्तों को ष्खासष् बताया, जिसका मोदी ने सोशल मीडिया पर जवाब भी दिया। भारत की ष्चुप्पी कूटनीतिष् और एससीओ (ैब्) जैसे मंचों पर मजबूत स्थिति और भारत–यूरोपीय संघ (ईयू) ट्रेड डील ने अमेरिका को भारत की अहमियत समझाई। लिहाजा, फरवरी 2026 में ही ट्रंप की मोदी से फोन कॉल ने जमी बर्फ को पूरी तरह पिघला दिया, जिससे ट्रेड डील की राह आसान हुई। कहना न होगा कि भारत–अमेरिका ट्रेड डील में टैरिफ विवाद फरवरी 2026 में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की फोन वार्ता से सुलझा। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25: से घटाकर 18: कर दिया, जबकि भारत ने रूसी तेल खरीद बंद करने और अमेरिकी उत्पादों पर जीरो टैरिफ का वादा किया। इस समझौते की मुख्य शर्तें इस प्रकार हैं– ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि मोदी के अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से रेसिप्रोकल टैरिफ कम किया गया। रूस से तेल आयात रोकना, अमेरिकाध्वेनेजुएला से अधिक खरीद, और नॉन–टैरिफ बैरियर्स हटाना प्रमुख रियायतें रहीं। कुल टैरिफ 50: से घटकर 18: हो गया, जिसमें रूसी तेल से जुड़ा 25: दंड समाप्त हुआ। जहां तक इनको सुलझाने की प्रक्रिया की बात है तो बेहद लंबी वार्ताओं के बाद (अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक) फोन कॉल ने अंतिम मुहर लगाई। भारत ने कृषि, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र बचाए, जबकि अमेरिका को व्यापार घाटा कम करने का लाभ मिला। यह द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का रास्ता साफ करता है।

इस प्रकार ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50: टैरिफ (खासकर रूसी तेल खरीदने के कारण) अब पूरी तरह हटाए लिए गए हैं, क्योंकि हालिया टेलीफोनिक वार्ताओं से सकारात्मक प्रगति हुई है। सितंबर 2025 में भारत–अमेरिका के बीच 7 घंटे की बैठक के बाद चर्चाएं तेज हुईं, जहां 25: अतिरिक्त टैरिफ हटाने पर सहमति बनी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन ने कहा कि 8–10 हफ्तों में विवाद सुलझ सकता है, जिसमें रेसिप्रोकल टैरिफ भी घटेंगे। इसलिए फरवरी 2026 तक ट्रंप–मोदी फोन कॉल ने गति दी, लेकिन पूर्ण समाधान ैब् जैसे मंचों पर निर्भर है। फिर भी चुनौतियां अभी बाकी हैं। 50: टैरिफ स्टील, एल्यूमीनियम, टेक्सटाइल पर अभी प्रभावी हैं, हालांकि निर्यात में 20: वृद्धि हुई। अमेरिकी सांसदों ने इन्हें खत्म करने की मांग की, लेकिन ट्रंप की ष्अमेरिका फर्स्टष् नीति बाधा बनी हुई है। इस प्रकार भारत अमेरिका डील के द्विपक्षीय मायने स्पष्ट हैं। भारत और अमेरिका के बीच हालिया डीलें, विशेष रूप से रक्षा और व्यापार समझौते, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण हैं। ये डीलें रणनीतिक साझेदारी को गहरा करती हैं, भले ही टैरिफ जैसे विवाद बने रहें। खासकर रक्षा समझौते का अपना महत्व हैं। भारत–अमेरिका ने 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो 2015 की रणनीतिक साझेदारी पर आधारित है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, सूचना साझाकरण और हिंद–प्रशांत में चुनौतियों (जैसे चीन का प्रभाव) का सामना करने के लिए आधारशिला बनेगा। टैरिफ तनाव के बावजूद रक्षा सहयोग बढ़ रहा है। जहां तक व्यापार डील की प्रगति की बात है तो दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखते हैं, जिसमें हाल ही में ट्रंप ने भारत पर टैरिफ 25: से घटाकर 18: किया। जबकि, दूध्ा, कृषि और डेटा स्थानीयकरण जैसे मुद्दों पर बातचीत जारी है, लेकिन रेसिप्रोकल टैरिफ और ळैच लाभ बहाली चुनौतियां बनी हुई हैं। पहला चरण सितंबर–अक्टूबर 2025 तक पूरा करने की कोशिश थी।

सम्पादकीय

नई दवाओं के विकास

अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि दवा कंपनियां नियमों में दी जा रही रियायत का बेजा फायदा ना उठाएं। भारत सरकार ने नई दवाओं के विकास के लिए हरी झंडी देने के नियम आसान बनाए हैं। इसके लिए नई औषधि एवं क्लीनिकल ट्रायल के 2019 में बने नियमों में बदलाव किया गया है। मकसद नई दवाओं के परीक्षण में लगने वाले समय को घटाना और संबंधित अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। पहले ऐसे कार्यों के लिए केंद्रीय औषधि प्रमाणन नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से लाइसेंस हासिल करना अनिवार्य था। अब कंपनियां कुछ श्रेणियों की दवाओं को छोड़कर बाकी सभी मामलों में सीडीएससीओ को महज ऑनलाइन सूचना देकर परीक्षण शुरू कर सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इस बदलाव से कम–से–कम 90 दिन की बचत होगी।

दवा कंपनियां लंबे समय से ऐसे बदलाव की मांग कर रही थीं। विनियमन प्रक्रिया की धीमी गति को वे अपने लिए बड़ी रुकावट मानती रही हैं। अतरू अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि कंपनियां नियमों में ढीलेपन का बेजा फायदा ना उठाएं। हालांकि भारतीय दवा उद्योग की दुनिया में ऊंची साख है, लेकिन हाल के वर्षों में कंपनियों द्वारा विनियमन प्रक्रिया में ढिलाई का लाभ उठाने के कई मामलों सामने आए हैं। कफ सिरप जैसी दवाओं से मिलावट की घटनाओं से भारतीय औषधि उद्योग पर कलंक लगा है। आम धारणा है कि भारत में निगरानी की व्यवस्था पश्चिमी देशों में मौजूद विनियम से कमजोर है।इसी कारण भारत में बनी जेनरिक दवाओं को ब्रांडेड दवाओं से अक्सर कमतर समझा जाता है। इसके बावजूद भारत में बनी दवाओं और वैक्सीन का दुनिया में बहुत बड़ा बाजार है, तो उसकी वजह इनका किफायती होना है। दवा उत्पादन के लिहाज से भारत दुनिया में तीसरे और मूल्य के लिहाज से 14वें स्थान पर आता है। देश में तीन हजार से ज्यादा दवा कंपनियां और साढ़े दस हजार फैक्टरियां हैं। लगभग 60 जेनरिक ब्रांड यहां उत्पादित होते हैं। इस कारोबार ने दशकों के दरम्यान इतना विशाल आकार ग्रहण किया है, तो उसमें विश्वसनीयता एक निर्णायक पहलू रही है। नए बदलावों के साथ इस पर कोई समझौता नहीं हो, इसे अवश्य सुनिश्चित करना होगा।

यूरोप का ट्रंप के आगे खड़ा होना महत्वपूर्ण

लग नहीं रहा था कि यूरोपीय संघ, ब्रिटेन के नेता डोनाल्ड ट्रंप से भिड़ेंगे। सोचें, ट्रंप ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और प्रधानमंत्री मोदी पर कितना खराब बोले हैं लेकिन ट्रंप को झूठा करार देने का भारत सरकार ने एक वाक्य नहीं बोला। ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर भी भारत का जवाबी टैरिफ नहीं है। फिर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को अगुआ करवाने की ट्रंप की कार्रवाई से अलग दुनिया सहमी हुई थी। तभी ग्रीनलैंड को लेकर यूरोपीय नेता की हल्की आनाकानी हुई तो ट्रंप ने अपने अंहकार में फटाक ब्रिटेन, यूरोपीय संघ पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। और तब यूरोपीय नेता जैसे खड़े हुए तो सभी चौंके। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी, जर्मनी के चासंलर शोल्ज से लेकर डेनमार्क, नार्वे, यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा सभी ने ट्रंप को दो टूक जवाब दिया। घोर ट्रंप समर्थक मेलोनी का वाक्य था कि श्ग्रीनलैंड कोई सौदे की वस्तु नहीं है। संप्रभुता पर बातचीत नहीं हो सकतीय। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस से, फिर संसद में साफ कहा कि हम ग्रीनलैंड की संप्रभुता के समर्थक हैं और अमेरिका का ऐसे टैक्स लगाना पूरी तरह गलत है। फ्रांस के मैक्रों, यूरोपीय परिषद् के प्रमुख एंटोनियो कोस्टा और जर्मनी के शोल्ज (सर्वाधिक बेबाक) के वाक्य ज्यादा मुखर थे। जैसे हम किसी भी तरह की धमकी के आगे नहीं झुकेंगेकृ न यूक्रेन पर, न ग्रीनलैंड पर। नतीजतन सोशल मीडिया पर अमेरिकी झंडा पकड़े ट्रंप के ग्रीनलैंड की और बढ़ने वाले पोस्ट के बाद दावोस में ट्रंप का रंग बदला हुआ था। तभी उन्होंने दावोस में कहा कि सैनिक बल से ग्रीनलैंड नहीं कब्जाएंगे। फिर उन्होंने यूरोपीय देशों पर नए टैरिफ का फैसला भी वापिस लिया।मगर यूरोपीय देश इससे संतुष्ट नहीं हुए। यूरोपीय संघ की पूर्व निर्धारित आपातकालीन बैठक हुई। बैठक बाद कहा गया, ष्यूरोपीय संघ अपनी रक्षा करेगाकृ अपने सदस्य देशों की, अपने नागरिकों की और अपनी कंपनियों कीष। ज्डेनमार्क और ग्रीनलैंड को यूरोपीय संघ का पूर्ण समर्थन प्राप्त है, और उनके भविष्य से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने का अधिकार केवल उन्हीं के पास है।ज् यह अंतरराष्ट्रीय कानून, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय संप्रभुता के उन सिद्धांतों के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो यूरोप के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अनिवार्य हैंष।ये वाक्य मामूली नहीं हैं। इसलिए क्योंकि ट्रंप अपनी सनक में दूसरे महायुद्ध के बाद बनी विश्व व्यवस्था को बदल, जिसकी लाठी उसकी भैंस की व्यवस्था बनवा रहे हैं। ऐसा होना खतरनाक है। आखिर ग्रीनलैंड को ट्रंप ने इस तरह कब्जाया तो चीन के शी जिनपिंग को ताइवान या अरूणाचल प्रदेश कब्जाने में भला कौन रोक सकेगा या पुतिन क्यों नहीं यूक्रेन के बाद बाल्टिक देशों पर कब्जे के लिए प्रेरित होंगेतभी यूरोप का ट्रंप के आगे खड़ा होना शेष विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। यों ट्रंप प्रशासन रूकेगा नहीं।

सत्ता की निष्कंटक राह बरास्ते सुनेत्रा की ताजपोशी

महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी।राजनीति जज्बात से नहीं, हालात के हिसाब से चलती है। महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसका उदाहरण है। सुनेत्रा के आंसू अभी सूखे भी नहीं, पति अजित पवार के निधन के शोक से उबरना तो दूर की बात है। फिर भी उन्होंने सियासी तकाजे को ही प्राथमिकता दी और महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया। पारिवारिक वज्रपात के बीच सिंहासन पर बैठने को लेकर उनकी आलोचना स्वाभाविक है, क्योंकि समाज के सोचने का अपना ढंग है। सियासी हस्तियों से भी उसे सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों को अपनाने की उम्मीद रहती है। सुनेत्रा सामाजिक सवालों से बच नहीं सकतीं। लेकिन सवाल यह है कि सुनेत्रा की ताजपोशी से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ने जा रहा है? प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर क्या वजह रही कि सुनेत्रा ने आनन–फानन में शपथ ले ली। महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी। महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। शरद पवार तो खुलकर स्वीकार भी कर चुके हैं कि उनकी ओर से जयंत पाटिल, अजित पवार से बात कर रहे थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि 12 फरवरी को दोनो पार्टियों के विलय पर अजित और शरद में सहमति हो चुकी थी। लेकिन अजित के न रहने के बाद समीकरण बदल गए। अजित के साथ गए अहम नेताओं प्रफुल्ल पटेल, आर आर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गईं। उन्हें डर था कि अगर विलय हुआ तो शरद पवार की पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके चलते सुप्रिया सुले की पार्टी पर पकड़ बढ़ जाएगी। सुप्रिया के नियंत्रण में इन नेताओं का काम करना असहज होता। प्रफुल्ल कभी शरद पवार के बेहद नजदीकी होते थे। अजित के साथ जाकर एक तरह से उन्होंने शरद पवार के साथ दगाबाजी ही की है। उन्हें ज्यादा आशंका थी कि विलय के बाद पार्टी पर पकड़ होने के चलते शरद के बहाने सुप्रिया का चाबुक उन पर चल सकता है। लेकिन अगर पार्टी अलग रहती है और सुनेत्रा के हाथ कमान रहती है तो इन नेताओं की सियासी सेहत बनी और बची रह सकती है। यही वजह है कि अजित के निधन के चलते हुए आधिकारिक शोक की मियाद खत्म होते ही प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे जैसे नेता सक्रिय हो गए।

विकसित भारत के अग्रदूतों के भविष्य को संवारना

धर्मेंद्र प्रधान

इस वर्ष परीक्षा पे चर्चा का आयोजन भारत की शिक्षा यात्रा में शांत लेकिन निर्णायक परिवर्तन को रेखांकित करता है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में परिकल्पित यह पहल, जो 2018 में एक एकल वार्षिक संवाद के रूप में प्रारंभ हुई थी, आज स्वाभाविक रूप से एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है। अब यह एक राष्ट्रव्यापी सामूहिक प्रयास बन गई है, जिसमें विद्यार्थियों के समग्र कल्याण को केंद्र में रखा गया है और माता–पिता व शिक्षक इस साझा उत्तरदायित्व के सक्रिय सहभागी हैं।इस वर्ष की सहभागिता का पैमाना इस पहल की गहराई को दर्शाता है। 4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरणों के साथ परीक्षा पे चर्चा, पूर्व गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए अब जन–संपर्क से आगे बढ़कर सामूहिक स्वामित्व की एक महत्वपूर्ण अवस्था में प्रवेश कर चुकी है। यह अभूतपूर्व सहभागिता सक्षम वातावरण निर्मित करने के सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करती है, जहाँ प्रत्येक बच्चा सीख सके, विकसित हो सके और सही मायनों में फल–फूल सके।प्रधानमंत्री के प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शनप्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का शिक्षा, अध्ययन और परीक्षा से जुड़े तनाव जैसे विषयों पर विद्यार्थियों के साथ संवाद सहानुभूति, व्यवहारिकता और प्रेरक नेतृत्व का विशिष्ट समन्वय प्रस्तुत करता है। सरलता, अनुशासन, आशावाद और मानव क्षमता में गहरी आस्था से परिपूर्ण उनके व्यक्तित्व ने लाखों बच्चों के मन पर गहरा और स्थायी प्रभाव अंकित किया है। औपचारिक प्रोटोकॉल की जटिलताओं से परे जाकर विद्यार्थियों से मार्गदर्शक, मेंटर और शुभचिंतक के रूप में जुड़ने की सहज क्षमता प्रधानमंत्री को विशिष्ट बनाती है। उनकी संवादात्मक, कथात्मक और आत्मीय शैली विद्यार्थियों को यह अनुभव कराती है कि उनकी बातें सुनी और समझी जा रही हैं। वे गर्मजोशी, हास्य और प्रामाणिकता के साथ संवाद करते हैं तथा अक्सर अपने जीवन के अनुभवों से उदाहरण लेकर धैर्य, एकाग्रता और आत्मबल जैसे व्यापक जीवन मूल्यों को सरलता से प्रस्तुत करते हैं। यह व्यक्तिगत स्पर्श परीक्षा से जुड़े दबावों को सहज बनाते हुए आश्वस्त और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है, जहाँ विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं।प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता की पहचानइस प्रयास के केंद्र में एक सरल किंतु अत्यंत सशक्त सत्य निहित हैरू हर बच्चा विशिष्ट है। प्रत्येक बच्चा अलग तरह से सीखता है, अपनी गति से आगे बढ़ता है और अपने भीतर ऐसी प्रतिभाएँ समेटे होता है, जिन्हें अंकों या रैंक तक सीमित नहीं रखा जा सकता।परीक्षाएँ अपनी प्रकृति के अनुसार, बच्चे की क्षमता के सीमित पहलू को ही दर्शाती हैं। समग्र व्यक्तित्व के निर्माण के माध्यम से ही उसकी वास्तविक सृजनात्मकता और उत्कृष्टता का विकास होता है। कोई बच्चा गणित में उत्कृष्टता दिखा सकता है, कोई कलात्मक कल्पना में निपुण हो सकता है, और कोई करुणा के साथ संवेदनशील चिकित्सक बनने की क्षमता रखता है। ये भिन्नताएँ किसी तरह की कमी नहीं हैंय बल्कि यही विविध, सशक्त और नवोन्मेषी समाज की आधारशिला हैं।राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के दर्शन का प्रतिबिंबयह दर्शन राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के मूल में निहित है। इसके ढाँचे के अंतर्गत शिक्षण–पद्धतियों, पाठ्यक्रमों और मूल्यांकन प्रणालियों को एक वास्तविक बाल–केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप पुनर्गठित किया जा रहा है, जहाँ शैक्षणिक अध्ययन के साथ–साथ सृजनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, शारीरिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर विशेष बल दिया गया है। प्रारंभिक वर्षों में खेल–आधारित शिक्षण पर इसका जोर इस तथ्य को स्वीकार करता है कि जिज्ञासा और आनंद ही आजीवन सीखने की सबसे सशक्त आधारशिलाएँ हैं।शिक्षा के आरंभिक वर्षों में मातृभाषा में शिक्षा देने का उद्देश्य बच्चों को अवधारणाओं की बेहतर समझ प्रदान करना है, जबकि बहुभाषिकता पर दिया गया बल ऐसी पीढ़ी के निर्माण की परिकल्पना करता है जो अपनी सांस्कृतिक और भाषायी जड़ों के प्रति विश्वास रखती हो तथा भारतीय ज्ञान परंपराओं को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाने में सक्षम हो।मूल्यांकन संबंधी सुधार भी इसी उद्देश्य को प्रतिबिंबित करते हैं। पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएँ अब वर्ष में दो बार आयोजित की जाएँगी, जिससे विद्यार्थियों को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए अधिक लचीलापन मिलेगा और उच्च–दबाव वाली एकल परीक्षा से जुड़ा तनाव कम होगा। 360–डिग्री समग्र प्रगति कार्ड लागू किए गए हैं, जो केवल बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों का ही आकलन नहीं करते, बल्कि उसके सामाजिक–भावनात्मक और शारीरिक विकास को भी समग्र रूप से दर्ज करते हैं। यह स्वीकार करते हुए कि तंदुरुस्ती सीखने का अभिन्न अंग है, प्रत्येक सीबीएसई विद्यालय में सामाजिक–भावनात्मक परामर्शदाताओं की नियुक्ति अनिवार्य की गई है, जो विद्यार्थियों को शैक्षणिक और भावनात्मक तनाव के प्रबंधन में निरंतर सहयोग प्रदान करेंगे। अंत में, हमारे समक्ष उत्तरदायित्व स्पष्ट हैकृबच्चों को किसी एक साँचे में ढलने के लिए विवश नहीं करना चाहिए, बल्कि प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं को पहचानना, उनका समर्थन करना और उन्हें सुदृढ़ बनाना चाहिए।समग्र रूप से सीखना – प्रमुख केंद्रबिंदु आज की शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों, परीक्षाओं और रटने तक सीमित नहीं रह गई है। समग्रता से सीखने पर स्पष्ट रूप से ध्यान दिया जा रहा है। यह भली–भाँति समझा जा चुका है कि केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार नहीं करती। चिंता, भय या भावनात्मक तनाव के बोझ तले बच्चे सार्थक रूप से नहीं सीख सकते। भारत की सभ्यतागत परंपराएँ इस स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण जागरूकता या माइंडफुलनेस, प्राणायाम और योग जैसे स्थायी साधन प्रदान करती हैं। ये अभ्यास बच्चों को अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं और एकाग्रता, शांति और लचीलेपन का निर्माण करते हैं। परीक्षा की तैयारी में सहायक होने के अलावा, ये अभ्यास जीवन कौशल विकसित करते हैं जो कक्षा के परे भी काम आते हैंकृताकि शैक्षणिक ज्ञान के साथ–साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता, प्रकृति के साथ संतुलन और आंतरिक जागरूकता को भी सुदृढ़ बनाया जा सके।चुनौतियों का समाधानफिर भी, हमें आज की एक विशिष्ट आधुनिक चुनौतीकृअत्यधिक डिजिटल उपयोग और स्क्रीन टाइम का सामना करना है । लंबे समय तक लगातार डिजिटल उपकरणों के संपर्क में रहने से ध्यान की क्षमता कम होती है, नींद में बाधा आती है और मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। लगातार कनेक्टिविटी, ऑनलाइन तुलना और डिजिटल अतिप्रेरणा का दबाव अक्सर परीक्षा के तनाव को बढ़ा देता है और उस माइंडफुलनेस को कमजोर कर देता है, जिसे हम बच्चों में विकसित करना चाहते हैं। यहीं पर माता–पिता और शिक्षक मिलकर भूमिका निभा सकते हैं। उपकरणों के उपयोग के लिए सुरक्षित सीमाएँ तय करके, साथ ही शारीरिक गतिविधियों, सृजनात्मक प्रयासों और पारिवारिक संवाद जैसे विकल्पों के प्रति प्रोत्साहित करके हम पुनरू संतुलन स्थापित कर सकते हैं।बच्चे – प्रगति के अग्रदूतविकसित भारत के लिए सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता आवश्यक है। जब बच्चे अपनी विशिष्ट क्षमताओं को खोजने और उनका विकास करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, तो राष्ट्र सृजनात्मकता, समावेशिता और सामूहिक प्रगति के माध्यम से आगे बढ़ता है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में जिज्ञासा और समस्या–समाधान के बीच का फासला घट गया है। शिक्षकों, माता–पिता और संरक्षकों के रूप में हमारे लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि बच्चे इस खोज में सक्षम बन सकें। इसके लिए आवश्यक है कि बच्चों को सही उपकरण, स्पष्ट सुरक्षा प्रदान की जाए तथा प्रयोग करने, नवाचार करने यहाँ तक कि असफल होने तक की स्वतंत्रता देते हुए उनका निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग किया जाए।आज के बच्चे विकसित भारत 2047 के अग्रदूत हैं। जो बच्चे निर्भय होकर सीखते हैं, आत्मविश्वास के साथ नवाचार करते हैं, और अपनी सांस्कृतिक जड़ों में स्थिर रहते हुए दुनिया से जुड़ते हैं, वे ही वर्तमान में विकसित भारत का निर्माण कर रहे हैं। ऐसे बच्चों का समर्थन एक ऐसी शिक्षा प्रणाली के माध्यम से किया जाना चाहिए, जो मन, हृदय और हाथकृतीनों के विकास पर केंद्रित होय एक ऐसी प्रणाली जो प्रतिभा का उत्सव मनाए, उद्देश्य को पोषित करे, और उन्हें सार्थक जीवन के लिए तैयार करे। यही है परीक्षा पे चर्चा की भावनारू बच्चों को भय से मुक्त करना और उन्हें भारतञ्च2047 के लिए आत्मविश्वासी नागरिक के रूप में तैयार करना।

आज का राशिफल

मेष राशि–
बिजनेसमैन को अचानक होगा धनलाभ
वृष राशि–
वालों आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। साथ ही आज काम में मन लगेगा। आज आप अपनी कार्यकुशलता के दम पर बेहतरीन कार्य पूर्ण करने में सफल होंगे।
मिथुन राशि–
वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपको मेहनत का फल जरूर मिलेगा। कई दिनों से चल रहीं कड़ी मेहनत आज रंग लाएगी। आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे।
कर्क राशि–
वालों आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप दिन भर कई तरह के कामों में व्यस्त रहेंगे। आज भागदौड़ से राहत पाने के लिए थोड़ा समय खुद के लिए निकालें।
सिंह राशि–
वालों का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके सामने कई चुनौतियां आएंगी, आप इनका डटकर मुकाबला करेंगे। आज खुशखबरी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और आप अपने अंदर नया जोश और ऊर्जा महसूस करेंगे।
कन्या राशि–
वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज रोजगार में पदोन्नती के अवसर बनेंगे। आज जीवनसाथी तथा परिवारजनों का सहयोग आपकी कार्य क्षमता को और बेहतर बनाएगा।
तुला राशि–
वालों का दिन आज ठीक ठाक रहेगा। आज करीबी रिश्तेदारों के साथ मिलकर अच्छी योजनाओं पर विचार होगा। आपका रुका हुआ पैसा मिल सकता है।
वृश्चिक राशि–
वालों आज का दिन आपके लिए नई खुशियां लेकर आया है। आपका चंचल स्वभाव लोगों को प्रभावित करेगा।
धनु राशि–
वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। इस राशि के राजनीतिक से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है।
मकर राशि–
वालों आज का दिन घूमने फिरने में बितेगा। आज अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें। आने वाले दिनों में आपको मेहनत के मुताबिक सफलता मिलेगी।
कुम्भ राशि–
वालों आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से हो जाएंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।
मीन राशि–
वालों आज का दिन घूमने फिरने में बीतेगा। आज आत्मविश्वास बनाए रखने से काम को अच्छे से पूरा कर पाएंगे। नए लोगों से मुलाकात होगी और रुके काम पूरे होने से रिलेक्स महसूस करेंगे।

मेरठ में एसएसपी की कमान आईपीएस अविनाश पांडेय को

मेरठ। शासन ने 2015 बैच के आईपीएस अविनाश पांडेय को मेरठ का एसएसपी नियुक्त किया है। अभी तक उनकी तैनाती लखनऊ एसएसएफ वाहिनी में थी। 2019 में भी अविनाश पांडेय एसपी देहात के पद पर मेरठ में रह चुके हैं। मऊ में तैनाती के दौरान मुख्तार अंसारी की संपत्ति जब्त करने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।अविनाश पांडेय को 23 अप्रैल 2025 को पीलीभीत से एसएसएफ वाहिनी लखनऊ में भेजा गया था। उससे पहले भी वह गाजियाबाद के एसपी सिटी और प्रयागराज कुंभ में भी तैनात रहे है। पंजाब में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला कर भागकर पीलीभीत आए तीन खालिस्तानी आतंकियों को पूरनपुर क्षेत्र में मुठभेड़ में मार गिराने व फर्जी पासपोर्ट व वीजा पर सिख युवकों को कनाडा भेजने पर सौ से ज्यादा मामले दर्ज करने को लेकर अविनाश पांडेय खासे चर्चा में रहे थे।यहां के एसएसपी डा. विपिन ताडा को संयुक्त पुलिस आयुक्त कानपुर कमिश्नरेट बनाया गया है। विपिन ताडा के साइकिल पर गश्त करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी ट्वीट कर उनकी तारीफ की थी। वह बागपत के पूर्व सांसद एवं मुंबई के पूर्व कमिश्नर सतपाल सिंह के दामाद हैं।अविनाश पांडेय ने मेरठ एसपी देहात पद पर रहते हुए चौकीदारों के लिए प्रहरी एप बनाया था। साथ की साइबर अपराध रोकने के लिए देहात के थानों में भी टीम बनाई थी। अविनाश पांडेय ने बीटेक इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन से किया है।आइपीएस डा. विपिन ताडा का मेरठ में 19 माह का कार्यकाल शानदार रहा। इस दौरान उन्होंने कपसाड़ में जातीय संघर्ष के हालात को बड़े ही कायदे से कंट्रोल किया। दो बार कांवड़ यात्रा को संपन्न कराया। तीन बदमाशों को भी मुठभेड़ में मार गिराया। ज्वालागढ़, दादरी कांड के दौरान बिगड़े हालात को भी उन्होंने सूझबूझ से नियंत्रित किया।

हैदरगढ़ टोल कर्मियों को नहीं मिली जमानत, विपक्षी वकील पर निकाला गुस्सा

बाराबंकी। जिले में हैदरगढ़ इलाके में लखनऊ–सुल्तानपुर हाईवे पर अधिवक्ता की पिटाई करने वाले टोल कर्मियों का केस लड़ने वाले वकील के विरुद्ध कचहरी के सभी वकील आक्रोशित हो गए। आक्रोशित वकीलों ने केस लड़ने वाले वकील के चेंबर में रखी कुर्सी और मेज जला दी। मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार को जिला न्यायालय परिसर में वकीलों के बीच 'वकील बनाम वकील' का विवाद सामने आया। यह मामला हैदरगढ़ टोल प्लाजा पर एक अधिवक्ता के साथ हुई मारपीट से जुड़ा है। टोलकर्मियों ने अधिवक्ता के साथ न केवल मारपीट की थी, बल्कि अभद्रता भी की थी। इस घटना से आक्रोशित लखनऊ और बाराबंकी के वकीलों ने बड़ा आंदोलन किया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को जेल भेजा था। उस समय जिला बार एसोसिएशन ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया था। इसमें तय किया गया था कि कोई भी स्थानीय वकील इन टोलकर्मियों की पैरवी नहीं करेगा और न ही उनकी जमानत याचिका दाखिल करेगा। यह निर्णय वकीलों के स्वाभिमान की लड़ाई के तौर पर लिया गया था। बार एसोसिएशन के सामूहिक निर्णय के खिलाफ जाकर एक अधिवक्ता द्वारा टोलकर्मियों की जमानत याचिका दाखिल करने की बात सामने आने पर भारी हंगामा और आगजनी हुई। नाराज सैकड़ों अधिवक्ताओं ने संबंधित वकील के बस्ते पर पहुंचकर मेज और कुर्सियों को आग के हवाले कर दिया। उल्लेखनीय है कि इस मामले में मनोज शुक्ला एडवोकेट ने आरोपियों की ओर से वकालतनामा कोर्ट पर प्रस्तुत कर जमानत अर्जी दाखिल की थी। जब इस बात की जानकारी अधिवक्ताओं को हुई तो सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता मनोज शुक्ला की सीट पर धावा बोल दिया। इस बीच उनके तख्त, कुर्सी और फर्नीचर को तोड़कर आग के हवाले कर दिया। उधर अपर सीजेएम ने जमानत अर्जी भी खारिज कर दी। बताते चलें कि बीते 14 जनवरी को लखनऊ–सुल्तानपुर बारा हाईवे पर स्थित बारा टोल प्लाजा पर टोल कर्मियों ने हाईकोर्ट अधिवक्ता रत्नेश शुक्ला एडवोकेट के साथ मारपीट की थी। जिसके विरोध में सैकड़ों वकील सड़क पर उतर आए थे। गुस्से से भरे वकीलों ने टोल प्लाजा पर जमकर हंगामा किया। हंगामें के बाद पुलिस ने अधिवक्ता रत्नेश शुक्ला पर जानलेवा हमला करने वाले टोलकर्मियों के विरूद्ध गंभीर धाराओं ने एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा था। इन आरोपियों की कोई वकालत न करने का एलान हुआ था। वहीं गुरूवार को इन पांच आरोपी टोल कर्मियों की जमानत अर्जी अपर सीजेएम रुचि तिवारी ने खारिज कर दी। वहीं अधिवक्ता मनोज शुक्ला ने बार के फैसले का उल्लंघन करते हुए गुपचुप तरीके से कोर्ट में टोलकर्मियों की जमानत याचिका दाखिल कर दी है। इस खबर से माहौल गरमा गया। देखते ही देखते जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा और अन्य पदाधिकारियों के साथ वकीलों का एक बड़ा समूह मनोज शुक्ला की मेज पर जा पहुंचा। चूंकि आरोपी अधिवक्ता वहां मौजूद नहीं था, वकीलों ने उसकी मेज और कुर्सियों को सड़क पर फेंककर उनमें आग लगा दी। हंगामे के बीच जिला बार अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा ने स्पष्ट किया कि जब पूरे जिले के वकीलों ने एक स्वर में आरोपियों की पैरवी न करने का फैसला लिया था, तो मनोज शुक्ला ने निजी

स्वार्थ के लिए उस सामूहिक निर्णय का उल्लंघन किया है। उन्होंने इसे साथी के सम्मान से जुड़ा विषय बताया। वर्मा ने चेतावनी दी कि जो भी अधिवक्ता बार के फैसलों के खिलाफ जाएगा, उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस दौरान कचहरी परिसर में घंटों तक वकील एकता के नारे गूंजते रहे।

महिला सहित दो लोगों ने की आत्महत्या

गांव में मचा कोहराम, जांच में जुटी पुलिस

बाराबंकी। जिले के सतिरख एवं मसौली थाना क्षेत्र में एक महिला सहित दो लोगों ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर दोनों स्थानों पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से मामले में पूछताछ की।सतरिख थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मणपुर निवासी मंगल रावत की 34 वर्षीय पत्नी सावित्री ने गुरुवार की भोर खाना बनाने के बाद घर के अंदर ताड़ के पेड़ से लटक कर आत्महत्या कर ली। सुबह सब्जी का भुगतान करने नवीन मंडी गए मंगल को उसके छोटे बेटे विकास ने फोन करके घटना की जानकारी दी। परिजनों को फांसी लगाने के कारणों की जानकारी नहीं है। महिला तीन बच्चों की मां थी। सतरिख पुलिस ने मौके पर पहुंच कर परिजनों से वार्ता की, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दूसरी घटना मसौली थाना क्षेत्र के देवकलिया गांव में हुई यहां के निवासी सूर्य प्रकाश के 43 वर्षीय पुत्र संदीप कुमार वर्मा बदोसरांय के मौलाबाद में मेडिकल स्टोर के साथ क्लीनिक चलाते थे। गुरुवार की सुबह संदीप का शव घर के अंदर छत के पंखे से लटका पाया गया। बताया जाता है कि संदीप की दूसरी पत्नी आरती कहासुनी के बाद अपने मायके ठकुरिया गांव चली गई थी, जिससे परेशान होकर उसने आत्महत्या कर ली। गुरुवार की सुबह पड़ोसी ने शव लटका देखा तो मामले की जानकारी उसकी पत्नी आरती को दी। घटना की जानकारी होने पर पत्नी घर पहुंची। संदीप के दूसरी पत्नी से एक तथा पहली पत्नी से एक पुत्र है। मसौली पुलिस जानकारी होने पर घटना स्थल पर पहुंची। जहां आसपास के लोगों से वार्ता कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस दोनों मामलों में फांसी लगाने के कारणों की जानकारी में जुटी है।

एंटी रोमियो टीम ने थाना क्षेत्र में भ्रमणकर महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

अलावल देवरिया (गोण्डा) पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरूवार को क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा एवं थाना प्रभारी निरीक्षक मोतीगंज अरविन्द यादव के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एंटी रोमियो स्क्वाड को सुदृढ़ बनाने के लिए के महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम काजी देवर, सैदवापुर,कुंदरूखी में भ्रमण कर व चौपाल लगा कर महिलाओं को शासन द्वारा चलाए जा रहे हेल्पलाइन नंबर्स के बारे में जानकारी दी गई व किसी बहू बेटी पर घरेलू हिंसा तो नहीं हो रही ,उसके बारे में जानकारी लेने का प्रयास किया गया और महिलाओं से अपील की गई कि जो पीड़ित महिलाएं हैं उन तक हेल्पलाइन नंबर की जानकारी अवश्य पहुंचाएं महिलाओं द्वारा कुशलता व्यक्त की गई। स्कूल की बालिकाओं से ऐसे स्थान (चौराहा, नुक्कड, गली, बाजार, बसध्बस स्टैंड एंव वह समय जहाँ पर आपको एण्टी रमियो स्क्वाड की सक्रियता की आवश्यकता ज्यादा महसूस होती है। महिलाओं व बालिकाओं को मिशन शक्ति जागरूकता अभियान के तहत आत्मनिर्भर सशक्त समाज में समान अधिकार दिलाने हेतु जागरूक किया गया। मिशन शक्ति फेज 5.0 एंटी रोमियो कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर आने–जाने वाली महिलाओं को जागरूक किया गया। कानून की जानकारी देते हुए एंटी रोमियो स्क्वाड के तहत लाल कार्ड देने के सम्बंध में बालिका व महिलाओं को जागरूक किया गया।

युवक को कार ने रौंदा, दर्दनाक मौत

बाराबंकी। अयोध्या–लखनऊ हाईवे पर सागर इंस्टिट्यूट के सामाने एक ढाबे पर खड़े युवक को अज्ञात कार ने कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम डुबकी मजरे नेवला करसंडा निवासी महेश प्रसाद का 40 वर्षीय पुत्र राम प्रसाद गौतम बुधवार की रात डेढ़ बजे सफदरगंज थाने के रामपुर गांव निवासी आलाम के साथ टमाटर लदी डीसीएम बनवाने गए थे। अयोध्या–लखनऊ हाईवे पर सागर इंस्टिट्यूट के सामने रात में राम प्रसाद बिशाल ढाबा पर खड़ा था। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात कार उसे कुचलते हुए चली गई। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक के तीन पुत्र व दो पुत्रियां सहित पांच संतानें थे। राम प्रसाद खेती करके अपने परिवार का जीवन यापन करता था। हादसे में मौत की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मचा हुआ है। सफदरगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नशे की हालत में छते पर चढ़े युवक की नीचे गिरने से मौत, मचा कोहराम

बाराबंकी। देवा थाना क्षेत्र में बुधवार की रात छत पर चढ़ा एक युवक अचानक पैर फिसलने से नीचे गिर गया। हादसे में सिर पर गंभीर चोट आने पर परिजन घायल को उपचार के लिए अस्पातल लेकर जा रहे थे कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। देवा थाना क्षेत्र के ग्राम मित्तई निवासी गुरुप्रसाद का 36 वर्षीय पुत्र मनोज कुमार पिकप खुद की पिकप चलाकर अपने परिवार का जीवन यापन करता था। मनोज बुधवार की रात में छत पर चढ़ा था, जहां से अचानक पैर फिसलने से नीचे गिर गया। बताया जाता है कि नशे के हालत में अनियंत्रित होने से यह हादसा हुआ है। हाग्दसे में मनोज के सिर में गंभीर चोट पहुंची थी। सुबह परिजन घायल को लेकर उपचार के लिए अस्पताल लेकर जा रहे थे कि रास्ते में उसकी मौत हो गई। मनोज दो बच्चों का पिता था। युवक की मौत से परिवार में लोगों का रो–रो कर बुरा हाल है।

सौभाग्य पटेल ने पास की जेआरएफ परीक्षा

मसौली, बाराबंकी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा उत्तीर्ण करने पर शुभचितकों ने बेटे सौभाग्य पटेल के माता पिता को शुभकामनाएं देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। होनहार बिरवान के होत चिकने पात वाली कहावत चरितार्थ हो गई जब एक सरल, सहज स्वभाव के धनी पुलिस विभाग बाराबंकी में तैनात उपनिरीक्षक विजय कुमार वर्मा के पुत्र सौभाग्य पटेल ने अपने माता पिता का नाम रोशन करते हुये राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित परीक्षा में प्रतिभाग करके जेआरएफ परीक्षा असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर 300 अंकों में 184 अंकों से उत्तीर्ण होकर नई इबारत लिख दी।

सुभारती कालेज आफ एलाइड एंड हेल्थकेयर में अतिथि व्याख्यान का सफल आयोजन

मेरठ। सुभारती कॉलेज ऑफ एलाइड एंड हेल्थकेयर परिसर में प्रातः 10.00 बजे विषय पर बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) से सम्बन्धित एक ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री सिम्मर नायर द्वारा कुशलतापूर्वक संभाला गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. पंकज किशोर मिश्रा, प्राचार्य (एसोसिएट) के शुभोद्घाटन संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन संस्कार संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. निशा गुप्ता, इन्फ्रो दृ आईपीआर सॉल्यूशंस सेल एवं रिसर्च व डेवलपमेंट सेल, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ (उ. प्र.) का पुष्प वेंट कर गरिमा पूर्वक अभिनन्दन किया गया।डॉ. निशा गुप्ता ने बौद्धिक संपदा अधिकार क्या हैं, उनके प्रकार, पेटेंट, कॉपीराइट, डिजाइन तथा अन्य संबंधित विषयों पर विस्तृत एवं सरल भाषा में उपयोगी व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनका व्याख्यान विद्यार्थियों एवं सहभागियों के लिए अत्यन्त ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक साबित हुआ।कार्यक्रम के अंत में डॉ. उमेश कुमार, विभागाध्यक्ष (एमएलटी) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत कर अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. पंकज किशोर मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के समस्त संकाय सदस्य तथा विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। यह व्याख्यान कार्यक्रम अपने उद्देश्य में पूर्णतया सफल रहा तथा उपस्थित सभी प्रतिभागियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता और समझ को और अधिक सुदृढ़ किया।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई अवसानेश्वर मंदिर में चोरी

बाराबंकी। हैदरगढ़ स्थित प्रसिद्ध पौराणिक अवसनेश्वर महादेव मंदिर में हुई दुस्साहसिक चोरी के मामले में नए और चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मंदिर के गर्भगृह में लगे सीसीटीवी कैमरों ने चोरों की उस करतूत को उजागर कर दिया है जिसने करोड़ों भक्तों की आस्था को झकझोर कर रख दिया है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि एक बेखौफ चोर जूते पहनकर गर्भगृह में दाखिल हुआ और अरघा उखाड़ने के लिए उसने अपने पैर भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर टिका दिए। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए आरोपियों के बेहद करीब पहुंच गई है। जांच में सामने आया है कि वारदात मंगलवार की रात करीब 2रू30 बजे शुरू हुई। जिसमें एक चोर मंदिर के पूर्वी हिस्से का चौनल गेट तोड़कर अंदर घुसा और करीब डेढ़ घंटे तक मंदिर के भीतर तांडव मचाता रहा। फुटेज के अनुसार जब हाथ से अरघा नहीं उखड़ा तो चोर ने शिवलिंग पर पैर रखकर पूरी ताकत लगाई और करीब 9 किलो चांदी का सामान उखाड़ लिया। शातिर चोर ने पहचान छिपाने के लिए मंदिर के बल्ब भी बंद करने की कोशिश की। आशंका जताई जा रही है कि इस वारदात में 3 से 4 लोग शामिल थे जिन्होंने पहले मंदिर की रेकी की थी क्योंकि चोरों को उन रास्तों का बखूबी पता था जहां कैमरे नहीं लगे थे। इस घटना ने पुलिस की गश्त पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस वक्त चोर मंदिर के अंदर तबाही मचा रहे थे ठीक उसी समय मंदिर के बाहर सड़क पर पुलिस की डायल 112 की गाड़ी खड़ी थी। हैरानी की बात यह है कि पुलिसकर्मी वाहन के भीतर ही मौजूद थे लेकिन उन्हें डेढ़ घंटे तक चली इस बड़ी वारदात की भनक तक नहीं लगी। पुलिस की इस लापरवाही को लेकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। मामले के खुलासे के लिए एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने क्राइम ब्रांच समेत तीन विशेष टीमों का गठन किया है। पुलिस अब केवल मंदिर ही नहीं बल्कि आसपास की मुख्य सड़कों और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर लगे हाई–रेजोल्यूशन कैमरों की फुटेज को भी बारीकी से खंगाल रही है ताकि चोरों के भागने के रूट का पता लगाया जा सके। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने फुटेज के आधार पर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

कागजों में 'मार' दी गई जिंदा लज्जावती, कांग्रेस ने किया खुलासा

बाराबंकी। सिरौलीगौसपुर तहसील क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पंजरौली मैलारैगंज गांव के एक युवक ने आरोप लगाया है कि उसकी जीवित मां और चाचा को सरकारी कागजों में 'मृत' दिखाकर वोटर लिस्ट से उनके नाम हटा दिए गए हैं। पीड़ित परिवार ने न्याय और मताधिकार की बहाली के लिए गुहार लगाई है। यह मामला गुरुवार को पूर्व सांसद पीएल पुनिया और सांसद तनुज पुनिया के आवास पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सामने आया। पीड़ित परिवार ने अपनी आपबीती सुनाते हुए न्याय की मांग की। युवक शिवकुमार वर्मा की वृद्ध माता लज्जावती ने स्वयं प्रेस वार्ता में उपस्थित होकर बताया, 'हम जीवन भर वोट देते आए हैं, लेकिन अब हमें जीवित रहते हुए भी मृत घोषित कर दिया गया है। हमारी देवरानी का नाम भी इसी तरह लिस्ट से हटा दिया गया है। हमें नहीं पता यह क्यों किया गया, लेकिन हम चाहते हैं कि हमें वापस 'जीवित' किया जाए और हमारा वोट देने का हक न छीना जाए।' पीड़ित शिवकुमार वर्मा ने बताया कि वह इस धांधली को लेकर एसडीएम, खंड विकास अधिकारी और सुपरवाइजर के पास कई बार जा चुका है। शिवकुमार के अनुसार, अधिकारियों ने उसे आश्वासन दिया था कि रोलबैक प्रक्रिया के जरिए ड्रॉप लिस्ट आने से पहले नाम जोड़ दिए जाएंगे, लेकिन जब नई लिस्ट आई तो उसकी मां और चाचा अभी भी 'मृतक' की श्रेणी में ही दर्ज थे। युवक ने मीडिया के सामने एक वॉट्सएप चौट का प्रिंटआउट भी रखा। इसमें कथित तौर पर एक कर्मचारी द्वारा प्रशासनिक स्तर पर फर्जी फॉर्म 7 होने की जानकारी बताई जा रही है। हालांकि, यह पूरी प्रेस वार्ता कांग्रेस नेता के आवास पर हुई और आरोप एक पक्षीय हैं। इस मामले में अभी तक तहसील प्रशासन या निर्वाचन विभाग की कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है कि आखिर किस तकनीकी चूक या वजह से जीवित लोगों को मृतक दिखाकर नाम काटे गए और बार–बार शिकायत के बाद भी सुधार क्यों नहीं हुआ। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा फोटोवाला, प्रवक्ता के0सी0 श्रीवास्तव, राम हरख रावत, विजयपाल गौतम आदि लोग उपस्थित थे।

लोधेश्वर धाम में फाल्गुनी मेला शुरु होते ही शिवभक्तों का सैलाब उमड़ा

16 फरवरी तक रहेगा लखनऊ-बहराइच यातायात डायवर्ट, प्रशासन मुस्तैद

बाराबंकी। रामनगर स्थित सुप्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव धाम में फाल्गुनी मेले के दौरान शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा है। दूर–दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालु कंधों पर कांवड़ धारण कर श्बोल बमश् और श्हर हर महादेवश् के जयघोष के साथ धाम पहुंच रहे हैं और भगवान शिव का विधि–विधान से जलाभिषेक कर रहे हैं। फाल्गुनी मेले और महाशिवरात्रि के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस, प्रशासन, राजस्व विभाग एवं ब्लॉक स्तर के कर्मचारियों की व्यापक तैनाती की गई है। साथ ही, आज से 16 फरवरी तक यातायात व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए विभिन्न मार्गों पर डायवर्जन लागू किया गया है, ताकि मेला क्षेत्र में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। प्रशासन द्वारा जारी व्यवस्था के अनुसार, लखनऊ व बाराबंकी से गोंडा जाने वाले वाहन अयोध्या मार्ग से भेजे जा रहे हैं। वहीं, बहराइच और गोंडा से लखनऊ आने वाले भारी वाहनों को चहलारी घाट व रेउसा के रास्ते डायवर्ट किया गया है। हल्के वाहनों के लिए अलग मार्ग निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में, जनपद लखनऊ के थाना काकोरी क्षेत्र के ग्राम रोटावाद सहित अन्य गांवों से 75 शिवभक्तों का एक बड़ा जत्था लोधेश्वर महादेव धाम पहुंचा। इन श्रद्धालुओं ने तीन दिवसीय पैदल कांवड़ यात्रा कर धाम में पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। यात्रा का नेतृत्व अयोध्या पाल महंत जी, उनके शिष्य राजूपाल चेला, रामकुमार पाल और जगत राम यादव सहित अन्य वरिष्ठ श्रद्धालुओं ने किया। श्रद्धालुओं ने बताया कि यात्रा के दौरान स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग मिला। लोधेश्वर धाम पहुंचकर सभी शिवभक्तों ने परिवार, क्षेत्र और देश की सुख–समृद्धि की कामना की। फाल्गुनी मेला क्षेत्र में इन दिनों भक्ति, आस्था और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

शादी का झांसा देकर चार साल तक मुस्लिम युवती से रेप, अब वादे से मुकरा ढाबा संचालक

मेरठ। नौचंदी क्षेत्र की रहने वाली मुस्लिम युवती ने सिवाया टोल प्लाजा के पास ढाबा चलाने वाले युवक पर चार साल तक शादी का झांसा देकर अपना शोषण करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि अब युवक अपने वादे से मुकर गया है और उसकी हत्या की धमकी दे रहा है। शास्त्रीनगर निवासी मुस्लिम संप्रदाय की युवती ब्रहस्पतिवार को एसएसपी ऑफिस पहुंची। युवती ने बताया कि चार साल पहले वह इंस्टाग्राम के जरिए बुलंदशहर निवासी एक हिंदू युवक के संपर्क में आई थी। आरोप है कि एक दिन युवक ने युवती को मिलने के लिए बुलाया और गाड़ी में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद युवक ने युवती से शादी करने का वादा किया।

युवक युवती को अक्सर सिवाया टोल प्लाजा के पास स्थित अपने ढाबे पर ले जाता और वहां उसके साथ संबंध बनाता था। काफी समय तक युवक और युवती एक साथ किराए के मकान में भी रहे। आरोप है कि इस दौरान युवक ने कई बार युवती का अबॉर्शन कराया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि अब ढाबा संचालक उससे शादी करने से इनकार कर रहा है। वहीं, अपने दोस्तों और परिवार के अन्य लोगों से युवती को धमकी दिला रहा है। जिसके चलते उसे जान का खतरा बना हुआ है। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। जिस पर अधिकारियों ने जांच और कार्यवाही के आदेश दिए हैं।

पोक्सो के फर्जी मुकदमे में फंसाकर मांगे पांच लाख, रकम नहीं मिली तो दंपति पर किया हमला

मेरठ। माधवपुरम निवासी दंपति ने नौचंदी क्षेत्र के रहने वाले दंपति और कुछ अन्य दबंगों पर अपने घर में घुसकर खुद पर जानलेवा हमले और छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि पोक्सो के झूठे मुकदमे में फंसाकर आरोपी दंपति उसके पति से पांच लाख की डिमांड कर रहे थे। रकम न देने पर आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया।माधवपुरम क्षेत्र के रहने वाले दंपति ब्रहस्पतिवार को एसएसपी ऑफिस पहुंचे। महिला ने आरोप लगाया कि नौचंदी क्षेत्र के रहने वाले एक दंपति ने उसके पति के खिलाफ पोक्सो एक्ट का झूठा मुकदमा दर्ज कराया। सीओ कैंट द्वारा मामले में जांच करने पर यह मुकदमा झूठा पाया गया। आरोप है कि इस मुकदमे को वापस लेने की एवज में दंपति ने महिला के पति से पांच लाख की डिमांड की। मगर महिला के पति ने रकम देने से इनकार कर दिया। इसके बाद बीती दो फरवरी को आरोपी दंपति अपने कुछ साथियों को लेकर महिला के घर पहुंचे। जहां उन्होंने महिला से मारपीट करते हुए उससे छेड़छाड़ की। विरोध में आए महिला के पति की भी जमकर पिटाई की गई। पीड़ित दंपति ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

रेलवे में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से सात लाख की ठगी

मेरठ। लिसाड़ी गेट क्षेत्र के रहने वाले एक युवक ने किठौर निवासी अपने रिश्तेदार पर नौकरी के नाम पर सात लाख रुपए ठगने का आरोप लगाया है। पीड़ित का आरोप है कि रकम वापस मांगने पर आरोपी उसे तरह–तरह की धमकी दे रहा है। अधिकारियों ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं।रशीद नगर निवासी सलमान ब्रहस्पतिवार को एसएसपी ऑफिस पहुंचा। सलमान ने बताया कि उसका सहारनपुर में अपनी रिश्तेदारी में आना–जाना था। वहीं उसकी मुलाकात किठौर निवासी गय्यूर अली से हुई। गय्यूर ने सलमान को रेलवे में टिकट काउंटर पर सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा दिया। इसके बाद एक साल में युवक से कई किस्तों में सात लाख की रकम ठग ली। सलमान का आरोप है कि इसके बदले गय्यूर ने उसे ईमेल और डाक के जरिए फर्जी जॉइनिंग लेटर भेज दिया। मगर जब युवक कन्नौज में जॉइनिंग के लिए पहुंचा तो पता चला कि यह सारे कागजात फर्जी हैं। पीड़ित का कहना है कि इसके बाद से वह लगातार गय्यूर से अपनी रकम वापस मांग रहा है। लेकिन गय्यूर अब सलमान को झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दे रहा है। अधिकारियों ने मामले में जांच और कार्रवाई के आदेश दिए।

सदनपुरी में माहौल खराब करने की कोशिश, बाइक सवारों ने एक संप्रदाय के वाहनों को बनाया निशाना

मेरठ। बुधवार को कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के सदनपुरी इलाके में दर्जन भर बाइकों पर सवार युवकों ने माहौल खराब करने की कोशिश की। विशेष संप्रदाय के नागरिकों के वाहनों में लाठी–डंडों से तोड़फोड़ करते हुए हुड़दंगियों ने कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसके चलते इलाके के निवासियों में दहशत है। वहीं, पुलिस आरोपियों की पहचान में जुटी है। सदनपुरी के क्षेत्रवासियों के मुताबिक लगभग एक दर्जन बाइकों पर सवार युवक लाठी–डंडों से लैस होकर शोर मचाते हुए इलाके से गुजरे। युवकों ने सड़क पर खड़े विशेष संप्रदाय के नागरिकों के वाहनों में लाठी–डंडों से जमकर तोड़फोड़ की। जिसमें कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। लगभग दो मिनट में कई वाहनों को तहस–नहस करने के बाद बाइक सवार युवक मौके से फरार हो गए। घटना के चलते इलाके में हड़कंप मच गया। सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि अधिकांश युवक मुंह पर कपड़ा लपेटे हुए थे और उनकी बाइकों की नंबर प्लेट भी छुपी हुई थी। जानकारी के बाद पहुंची पुलिस ने क्षेत्रवासियों से पूछताछ की। घटना के चलते क्षेत्रवासियों में दहशत का माहौल है। वहीं, पुलिस सीसीटीवी फुटेज के सहारे हुड़दंगियों की पहचान में जुटी है।

विद्या के 12 छात्रों का वर्कियंस में चयन

मेरठ। मेरठ बागपत रोड स्थित विद्या नॉलेज पार्क में कैंपस प्लेसमेंट का आयेजन किया गया जिसमें वर्कियंस रियलटी प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी कैंपस रिक्रूटमेन्ट के लिए आयी। इस कैंपस प्लेसमेन्ट प्रक्रिया में कंपनी के एच० आर० अधिकारी ने सबसे पहले सभी छात्रों को एक सेमिनार में सम्बोधित किया और फिर सभी को कम्पनी की कार्य प्रणाली से अवगत कराया और उनके जॉब प्रोफाइल के बारे में जानकारी दी। उसके बाद अपनी चयन प्रक्रिया में 12 छात्रों का चयन किया जिनके नाम – प्रियंशु राठोर, शिवम वत्स, तनुज भारद्वाज, हिमांशु बालियान, अभिशांत रूहेला, भावना चौधरी, नमन गुप्ता, सन्नी कुमार, विवेक त्यागी, पंकज रवि, दीपक सिंघल, आकाश, का सफल चयन किया, सभी छात्र इस अवसर को पाकर बहुत प्रोत्साहित है। विद्या ग्रुप के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार जैन, मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विषाल जैन एवं प्लेसमेन्ट हेड डा. नेहा दोशी सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाऐं दी।

शटल ट्रेन के विलंब से चलने पर यात्रियों में रोष, अशफिस में लेट हो रहे लोग

मेरठ। शटल ट्रेन लगातार विलंबित चल रही है। बुधवार को ट्रेन सुबह 2 घंटा विलंब से मेरठ कैंट स्टेशन से रवाना हुई। प्लेटफार्म पर इंतजार कर रहे हैं रेल यात्रियों ने स्टेशन मास्टर से विरोध दर्ज कराया। ट्रेन शिकायत पुस्तिका में शिकायत भी दर्ज की। यह ट्रेन मंगलवार को रात 11रू30 बजे कैंट स्टेशन पहुंची थी। जिस कारण यह विलंब से रवाना हुई। दैनिक रेल यात्रियों नई ट्रेन का संचालक निर्धारित समय से करने की मांग की है विलंब से चलने के कारण लोग कार्य स्थल पर भी देर से पहुंच रहे हैं वहीं वापस घर लौटने में भी देरी हो रही है।

लोक अदालत को प्रभावी बनाने पर अध्यक्ष ने दिया जोर

चित्रकूट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को प्रभावी रूप से सफल बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला की अध्यक्षता में जनपद में कार्यरत विभिन्न प्रशासनिक विभागों के अधिकारियों की द्वितीय चरण की बैठक सम्पन्न हुयी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चौधरी ने बताया कि अध्यक्ष ने ने राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर निस्तारण पर जोर दिया। शमनीय आपराधिक वाद, धारा–138, मोटर एक्सीडेंट क्लेम वाद, श्रम वाद, बैंक वसूली वाद, विद्युत अधिनियम और जल वाद, सर्विस मैटर्स, पारिवारिक, वैवाहिक वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, राजस्व, चकबन्दी वाद, किरायेदारी वाद, सुखाधिकार वाद, स्थायी निषेधाज्ञा व सिविल वाद, मनी वसूली वाद, विनिर्दिष्ट अनुतोष वाद, मोटर वाहन ई–चालान, लघु आपराधिक वादों, श्रमवाद, प्री–लिटिगेशन के माध्यम से ऐसे वाद जो अभी न्यायालय के समक्ष नही आये हैं विशेषकर पारिवारिक मामले, उपभोगता फोरम तथा आर्बिट्रेशन सम्बन्धित वादों का निस्तारण किया जाना है।

बैठक में अधिकारियों से यह अपेक्षा की गयी कि वे अपने विभागों से सम्बन्धित समस्त ऐसे मामले जिनकों लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किया जा सके उन्हे अधिक से अधिक चिन्हित कर उनमें पक्षकारों को कम से कम दो बार नोटिस तामीला कराते हुये राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित करने का प्रयास करें। बैठक में राममणि पाठक विशेष न्यायाधीश एससी एसटी नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत, विष्णुदत्त बादल समन्वयक दिव्यांग विभाग, सुरेन्द्र कुमार जिला सूचना अधिकारी, अजय कुमार वर्मा प्रतिनिधि परिवहन अधिकारी, राजपति शुक्ला जिला .षि अधिकारी, डा एमके जतारया अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, रणवीर कुमार सिंह खान अधिकारी, राजीव रंजन सिंह उप प्रभागीय वनाधिकारी, संजय कुमार शुक्ला चकबन्दी अधिकारी, राजेश सैनी उपस्थित रहे। इसके अलावा जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चोधरी ने जिला कारागार का निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया। जिला कारागार में स्थापित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। जेल लीगल एड क्लीनिक में अनुरक्षित पंजिकाओं का अवलोकन किया। जेल लीगल एड क्लीनिक में नियुक्त जेल पीएलवी को निर्देशित किया गया कि ऐसे बन्दी जिनके पास उनके वाद की पैरवी के लिए अधिवक्ता नहीं है, उनके प्रार्थना पत्र लेकर अधीक्षक जिला कारागार के माध्यम से नियमानुसार कार्यवाही के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

जन-सुरक्षा और अनुशासन पर फोकस अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह का थाना निजामाबाद निरीक्षण

आजमगढ़ (आर एन एस) थाना निजामाबाद का वार्षिक निरीक्षण,अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व की सराहनो, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशनमें अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह द्वारा थाना निजामाबाद का वार्षिक निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी सदर श्रीमती आस्था जायसवाल सहित थाना के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।निरीक्षण की शुरुआत अनुशासित गार्द की सलामी एवं निरीक्षण से हुई, जो थाना की कार्यसंस्कृति और अनुशासन का परिचायक रही ।इसके पश्चात अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा थाना परिसर स्थित साइबर हेल्प डेस्क, महिला मिशन शक्ति कक्ष, भोजनालय, थाना कार्यालय, विवेचना कक्ष, बैरक, जनसुनवाई कक्ष, ब्ब्ज्छै प्रणाली, ब्ब्ज्ट व्यवस्था तथा अभिलेखों व विभिन्न रजिस्टरों का गहन एवं सूक्ष्म निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने, अभिलेखों को समयबद्ध व अद्यावधिक रखने, तथा सभी व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट व व्यवहारिक दिशा–निर्देश दिए गए। हिस्ट्रीशीटरों की निरंतर निगरानी और प्रभावी पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया ।अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा मेस व्यवस्था की भी समीक्षा की गई तथा भोजनालय में स्वच्छता बनाए रखने,निर्धारित मेन्यू के अनुसार समय से भोजन तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही थाना परिसर में खड़े वाहनों के नियमानुसार शीघ्र निस्तारण, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध, तथा अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए ।निरीक्षण के अंत में अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह द्वारा थाना क्षेत्र के चौकीदारों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें उनसे आपराधिक सूचनाओं के समयबद्ध आदान–प्रदान की अपेक्षा की गई। इस अवसर पर चौकीदारों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे उनका मनोबल और कार्य के प्रति उत्साह बढ़ा ।अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री मधुवन कुमार सिंह का यह निरीक्षण उनकी सक्रिय कार्यशैली, अनुशासनप्रियता एवं जन–सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसकी क्षेत्र में भूरि–भूरि प्रशंसा की जा रही है।

हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ दो दिवसी वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन

आजमगढ़ (आर एन एस) जिला के सगड़ी तहसील क्षेत्र के लाटघाट बाजार के पास स्थित ग्राम सभा बेरी डाड में भागीरथी संस्थान धरा धाम द्वारा दो दिवसी वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जो 4 फरवरी से प्रारंभ होकर 5 फरवरी की ढेर शाम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया ।इस प्रतियोगिता में प्रदेश के कोने–कोने से तर्जनों टीमों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता टीम के खिलाड़ियों ने अपनी अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को खूब हंसाया ।बता दें कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतापगढ़ और मुरादाबाद के जिला जज थे। उन्होने बृहस्पतिवार को लाल फीता काटकर फाइनल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जिसमें हॉस्टल आजमगढ़ और बाराबंकी तथा गोरखपुर टीम के खिलाड़ियों ने अपने कला का प्रदर्शन किया ।समाचार लिखे जाने तक आजमगढ़ की टीम ने 25 अंक बनाकर गोरखपुर को 6 अंक पर खड़ा कर के हैरान में डाल दिया था। जिसे देखकर दर्शक् भी अचंभित थे। आजमगढ़ के खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखकर लोग् काफी प्रसन्न थे ।कभी जब गोरखपुर के खिलाड़ी अपनी टीम के लिए गोल बनाते तब गोरखपुर के दर्शक् अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए तालियां बजाते वही जब आजमगढ़ के खिलाड़ी अपनी टीम के लिए बढ़त बनाते तो आजमगढ़ के दर्शक् शोर शराहबा के साथ जोरदा जोरदार तालियां बजाते। इस मौके पर प्रतापगढ़ मुरादाबाद के जज ने कहा कि खेल अति उत्तम है खेल लोगों को आपस में जोड़ता है। यही एक ऐसी पूजा है जिसका कोई धर्म नहीं है। सभी धर्म के लोग इसे मिलजुल कर एक साथ खेलते हैं इसलिए खेल जोड़ने का काम करता है तोड़ने का नहीं ।इस मौके पर क्षेत्रीय सामाजिक नेता शंकर यादव नागेंद्र पटेल बृजेस पाठक ब्लाक प्रमुख ओर विजय सिंह शाहिद तमाम् गदमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन अमीला त्रिपाठी एलके पांडे कर रहे थे। कार्यक्रम के संयोजक और आयोजक सत्य प्रकाश सिंह आनंतुको को नग वस्त्र और मोमेंटो देकर उनका सम्मान कर रहे थे ।इस मौके पर मीडिया लाइन से रोशन लाल पत्रकार जगन्नाथ पांडे आनंद गुप्ता जीवन कश्यप सहित आदि लोग् मौजूद थे ।इस मौके पर सत्य प्रकाश सिंह द्वारा रोशन लाल पत्रकार साहित अन्य लोगों को अंग वस्त्र ओर [illegible]

फर्जी ट्रेडिंग ऐप से 1 करोड़ की साइबर ठगी का पर्दाफाश, उज्जैन इंदौर के दो अन्तर्राज्यीय साइबर अपराधी गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस) साइबर थाना, जनपद आजमगढ़ पुलिस ने छम्म्ज ज्ट|क् नामक फर्जी ट्रेडिंग ऐप के माध्यम से की जा रही संगठित ऑनलाइन ठगी का बड़ा खुलासा करते हुए दो अन्तर्राज्यीय शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अब तक की जांच में इस गिरोह द्वारा लगभग घ01 करोड़ की साइबर ठगी किए जाने का तथ्य सामने आया है। इस मामले में देशभर से करीब 12 शिकायतें प्राप्त हुई हैं ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक यातायात विवेक त्रिपाठी के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम श्रीमती आस्था जायसवाल के मार्गदर्शन में थाना साइबर क्राइम आजमगढ़ पुलिस टीम को यह बड़ी सफलता मिली है ।थाना साइबर क्राइम आजमगढ़ पर पंजीकृत मु0अ0सं0 29ध्2025, धारा 318(4), 319(2) ठछै एवं 66क आईटी एक्ट के अंतर्गत की जा रही विवेचना में छम्म्ज ज्ट|क् फर्जी ऐप के जरिए ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ। गिरफ्तार अभियुक्तों की पूछताछ व बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 111(1) ठछै की बढ़ोत्तरी भी की गई है। घटना का संक्षिप्त विवरणपीड़ित अशोक कुमार अग्रवाल निवासी बदरका, कोतवाली आजमगढ़ ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने फेसबुक पर छम्म्ज ज्ट|क् का विज्ञापन देखकर दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। अभियुक्तों ने अधिक लाभ का लालच देकर फर्जी ऐप का लिंक भेजा और निवेश कराया। शुरुआत में ऐप पर मुनाफा दिखाया गया, लेकिन जब पीड़ित ने धन निकासी का प्रयास किया तो आईडी ब्लॉक कर दी गई। इस प्रकार पीड़ित से कुल घ8,99,000 की ठगी की गई ।अपराध करने का तरीकापूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है, जो ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को फर्जी ऐप डाउनलोड कराकर निवेश कराता था। ठगी की रकम म्यूल बैंक खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी। जांच में कुछ बैंक कर्मियों की संलिप्तता भी सामने आई है, जो पहले से हस्ताक्षरित ब्लैंक चेक उपलब्ध कराते थे। खाते में पैसा आते ही चेक के जरिए तत्काल निकासी कर ली जाती थी। इन्द्रजीत डे पुत्र स्व. देवाशीष डे, निवासी पांडव नगर, ईस्ट दिल्ली (वर्तमान पता उज्जैन, मध्य प्रदेश)अंकेश धाकड़ पुत्र रामहेत धाकड़, निवासी शिवपुरी (वर्तमान पता दृ इंदौर, मध्य प्रदेश), जो कोटक महिंद्रा बैंक इंदौर में कार्यरत था ।बरामदगी में 03 मोबाइल फोन मय सिम कार्ड03 एटीएम कार्ड02 चेक बुक01 बैंक आईडी01 जियो सिम कार्डनकद घ870वांछितध फरार अभियुक्तगोपाल भदौरिया (कोटक बैंक कर्मी)माधवरॉकीप्रीतम (यस बैंक कर्मी)प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक योगेन्द्र प्रसाद, कांस्टेबल महिपाल यादव, एजाज खान एवं सभाजीत मौर्य (थाना साइबर क्राइम, आजमगढ़) ।पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि केवल आधिकारिक ऐप स्टोर से ही ऐप डाउनलोड करें, सोशल मीडिया या अनाधिकृत लिंक से .।च्ज्ञ फाइल न खोलें और किसी भी संदिग्ध ऐप की सूचना तुरंत साइबर पुलिस को दें।

उत्तर प्रदेश में पर्यटन के नए युग का उदय

आजमगढ(आर एन एस) उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद पर्यटन क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव देखा गया है। राज्य सरकार ने पर्यटन को न केवल सांस्कृतिक गौरव के पुनरुद्धार के रूप में देखा है, बल्कि इसे आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक मुख्य आधार भी बनाया है। वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश सरकार की दूरदर्शी नीतियों और बुनियादी ढांचे में सुधार के कारण, प्रदेश घरेलू पर्यटकों के मामले में देश का नंबर–1 राज्य बनकर उभरा है। प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है ।पर्यटन विकास के केंद्र में आध्यात्मिक सर्किट का विकास रहा है। अयोध्या धाम में श्री राम मंदिर के निर्माण और दीपोत्सव जैसे आयोजनों ने अयोध्या को वैश्विक मानचित्र पर ला खड़ा किया है। 2017 में जहां यहां कुछ लाख पर्यटक आते थे, वहीं अब यह संख्या करोड़ों में पहुँच गई है। वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के बाद पर्यटकों की सुगमता और संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। गंगा आरती और क्रूज पर्यटन (जैसे अलकनंदा क्रूज) नए आकर्षण बन चुके हैं। ब्रज तीर्थ विकास परिषद के माध्यम से मथुरा, वृंदावन और गोवर्धन के कुंडों और मंदिरों का जीर्णोद्धार किया गया है। इससे इन स्थलों के सांस्कृतिक और धार्मिक वैभव का पुनरुद्धार हुआ है ।राज्य सरकार ने इस क्षेत्र को अन्यतम ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया, जिससे निवेशकों को कई लाभ मिले। नई पर्यटन नीति 2022 के तहत होटलों और रिसॉर्ट्स को औद्योगिक दरों पर बिजली और पानी की सुविधा दी गई है। इस नीति के माध्यम से प्रदेश में बड़े स्तर पर निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। पर्यटकों के लिए यात्रा को सुगम बनाने हेतु कनेक्टिविटी पर विशेष जोर दिया गया। कुशीनगर और जेवर (नोएडा) जैसे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ–साथ अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विकास किया गया। प्रदेश में क्रियाशील हवाई अड्डों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई है ।आज प्रदेश में बड़े स्तर पर एक्सप्रेसवे का जाल बन चुका है ।

यूजीसी बिल के समर्थन में उतरे एससी, एसटी, ओबीसी संगठन

चित्रकूट। एससी, एसटी, ओबीसी के संगठन यूजीसी बिल के संबंध में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सदर एसडीएम को सौंपा। उन्होंने मांग किया कि उच्च शिक्षा संस्थानों में संविधान प्रदत्त समानता, सामाजिक न्याय एवं वंचित वर्ग के संरक्षण के उद्देश्य से सरकार द्वारा लाए गए यूजीसी कानून का समर्थन करते हुए बिल लागू कराए जाने की मांग की है। आभास महासंघ के जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार सनेही ने बताया कि यूजीसी कानून स्वागत योग्य है जो देश के दबे कुचलें शोषित पीड़ित वंचित व 85 प्रतिशत बहुजन समाज के बच्चों के हित में है, क्योंकि देश के अंदर प्रभुत्वादी व सामंतवादी विचारधारा के लोग सरकार द्वारा लाए गए यूजीसी कानून का असंवैधानिक रूप से विरोध करने पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 29 जनवरी को रोक लगा दी है। समाजसेवी जानकीशरण प्रजापति ने कहा कि यूजीसी बिल का समर्थन करते हैं। त्रिभुवन सिंह यादव ने बताया कि देश के अंदर सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में यूजीसी कानून लागू किया जाना अति आवश्यक है। इस मौके पर विनोद पाल, धर्मेंद्र कुमार भास्कर, जानकीशरण प्रजापति, रजनीश, सीएल भारती कंचन सिंह, मीरा भारती, शिवनरेश, लक्ष्मी प्रसाद फौजी, प्रकाश चंद्र दिनेश, मान सिंह पटेल, लक्ष्मण पटेल, मोहित कुमार, अनुरोध कुमार, तीरथ प्रसाद, हनुमान प्रसाद आदि मौजूद रहे।

सड़क के लिए भूमि दान करने का दिया आश्वासन

चित्रकूट। सीडीओ डीपी पाल ने राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास बेड़ी पुलिया का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अनुसूचित जाति के छात्रों के हित में छात्रावास तक आवागमन सुगम बनाने के लिए स्थानीय निवासी भू स्वामी धनपत से रोड के चौड़ीकरण के लिए भूमि दान करने की अपील की। जिस पर रोड के किनारे की जमीन भू स्वामी द्वारा दान किए जाने का आश्वासन दिया गया। मौके पर ही जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव से दूरभाष पर वार्ता कर इस संबंध में अवगत कराया। अध्यक्ष ने जल्द ही रोड के चौड़ीकरण के कार्य कराने संबंधी आश्वासन दिया। इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं छात्रावास अधीक्षक उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयों में किचेन गार्डन विकसित करने को धनराशि आवंटित

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने बताया कि जनपद में पीएन पोषण योजना अच्छादित 1299 विद्यालयों के सापेक्ष 859 विद्यालयों में दो हजार रुपए प्रति विद्यालय की दर से वर्तमान वित्तीय वर्ष एवं पिछले वित्तीय वर्ष में प्रति विद्यालय पांच हजार की दर से किचेन गार्डन के लिए धनराशि आवंटित की गयी है। जिसमें लगभग एक हजार विद्यालयों में किचेन गार्डन विकसित हो गये है। शेष विद्यालयों में कियेन गार्डन विकसित किये जा रहे है। जिन विद्यालयों किचेन गार्डन के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है। वहाँ पर गमलो आदि में सब्जियों यथा टमाटर बैंगन, पालक, धनिया आदि के पौधे लगाये गये है तथा किचेन गार्डन से प्राप्त होने वाली सब्जियों माध्यन भोजन में प्रयोग किया जाता है।

आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान में देरी पर सीएमओ सख्त, लंबित मानदेय शीघ्र निस्तारण के निर्देश

आजमगढ़(आर एन एस) जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली आशा एवं आशा संगिनियों के मानदेय भुगतान में हो रही देरी को लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी लंबित भुगतानों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और निर्धारित समय–सीमा के भीतर भुगतान की स्थिति से संबंधित प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि प्रगति की स्पष्ट समीक्षा की जा सके ।सीएमओ ने कहा कि सरकार की मंशा स्पष्ट है कि आशा कार्यकर्ताओं को उनका मानदेय समय पर प्राप्त हो, इसलिए भुगतान प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024दृ25 तक के सभी लंबित भुगतानों का सत्यापन कर प्राथमिकता के आधार पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं ।इस संबंध में जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के अधीक्षकों और प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे लंबित बिल, वाउचर एवं अन्य आवश्यक अभिलेख तत्काल संबंधित स्तर पर भेजकर भुगतान प्रक्रिया पूर्ण कराएं तथा तय समयसीमा में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें ।मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी कड़ी हैं और उनके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए समय पर भुगतान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी स्तर पर अनावश्यक विलंब पाया गया तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

निर्बल वर्गो के लिए 22 फरवरी को जनपद स्तरीय मेगा शिविर का आयोजन

आजमगढ़ (आर एन एस) उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं मा० जनपद न्यायाधीश ध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आजमगढ़ के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 22 फरवरी 2026 को जनपद स्तर पर वृहदध्मेगा शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत निर्बल वर्ग, बच्चों, स्त्रियों निर्धन वर्ग, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति हेतु जनकल्याणकारी योजनाओं का स्टॉल लगाकर पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जायेगा। वृहदध्मेगा शिविर के तैयारियों के सम्बन्ध में आज मेगा कैम्प हेतु नामित न्यायिक अधिकारीगण व प्रशासनिक अधिकारीगण के साथ बैठक की गयी ।बैठक में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ध न्यायिक नोडल अधिकारी मेगा कैम्प, श्री कमला पति द्वारा बताया गया कि 22 फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाले मेगा कैम्प में स्वास्थ्य विभाग द्वारा दन्त, नेत्र व सामान्य चिकित्सीय जॉच हेतु स्टॉल लगाया जायेगा। डाक विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के सम्बन्ध में बैठक में उपस्थित डिप्टी पोस्टमास्टर को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया ।न्यायिक नोडल अधिकारी द्वारा मेगा कैम्प हेतु नामित न्यायिक अधिकारीगण को यह निर्देश दिया गया कि वे ब्लाक स्तर पर सामन्जस्य स्थापित कर आयोजित होने वाले लघु शिविरों का पर्यवेक्षण करें। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रशासनिक नोडल अधिकारी मेगा कैम्प, जिला स्तरीय, तहसील स्तरीय, ब्लाक स्तरीय अधिकारीगण को कल्याणकारी योजनाओं से सम्बन्धित पात्र व्यक्तियों को चिन्हित करने हेतु निर्देशित करें। इस हेतु जनपद के समस्त विभाग अपने–अपने विभागों से संचालित कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु मेगा कैम्प से पूर्व पम्फलेट, पोस्टर, बैनर के माध्यम से कम से कम दो लघु कैम्प का आयोजन कर पात्र व्यक्तियों का चयन करें, जिन्हें मेगा कैम्प के दिवस पर लाभ प्रदान किया जाय,इस मौके पर न्यायिक नोडल अधिकारी कमला पति पाल, तहसील स्तर पर नामित न्यायिक पर्यवेक्षण अधिकारी हर्षआनन्द, रविन्द्र कुमार रावत, पुनित मोहन दास, अक्षत सोनकर, अभिषेक स्वामी, आदेश प्रताप सिंह, सौरभ, प्रशासनिक नोडल अधिकारी संजीव ओझा, मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, नगर, तहसीलदार, डिप्टी पोस्टमास्टर उपस्थित रहे।

हाईवे पर अनियंत्रित बाइक पेड से टकराई, युवक की मौत

चित्रकूट। हाईवे पर बाइक से जा रहे युवक का मोबाइल से बातचीत करते समय संतुलन बिगडा। इससे वह सडक पर बाइक समेत जा गिरा। लहूलुहान अवस्था में वह काफी देर तक सडक किनारे पडा रहा। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसके मृत होने की पुष्टि की। पुलिस ने उसके पास मिले मोबाइल के आधार पर शिनाख्त कर परिजनों को जानकारी दी। भरतकूप थाना क्षेत्र के जबरापुर गांव निवासी संदीप पटेल ने बताया कि उसके मौसा रजवा का 18 वर्षीय पुत्र सुनील पटेल गांव में ही बाइक मिस्त्री का काम सीखता था। बुधवार की शाम को घर से बाइक लेकर यह कहकर निकला था कि वह चित्रकूट घूमने जा रहा है। फोन से ही उसने अपने मानपुर गांव निवासी बहनोई को भी वहीं चित्रकूट में मिलने के लिए बुलाया था। जैसे ही झांसी मिर्जापुर राष्टीय राजमार्ग के भरतकूप कस्बे से कुछ आगे पहुंचा तो अनियंत्रित बाइक एक पेड से टकरा गई। स्थानीय लोगों के अनुसार बाइक चलाते समय युवक मोबाइल से बात कर रहा था। इसी से उसका संतुलन बिगडा और वह बाइक से फिसल गया। उसकी बाइक पेड के पास उसका मोबाइल सडक पर और वह खुद बाइक से काफी दूर पडा मिला।

थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर युवक को सीएचसी पहुंचाया गया। यहां पर डॉक्टरों ने उसके मृत होने की पुष्टि की। बाइक चालक हेलमेट नहीं पहने था। उसके सिर पर गंभीर चोट लगी थी। गुरूवार को परिजनों की मौजूदगी में उसका पोस्टमार्टम कराया गया। वह दो भाई, दो बहन में दूसरे नंबर का था।

घर से निकले मिस्त्री का शव रेल पटरी पर मिला

चित्रकूट। घर से काम पर जाने की बात कहकर निकले राजगीर मिस्त्री का शव 24 घंटे बाद शहर के भैरो पागा के पास रेल पटरी पर मिला। परिजनों ने उनकी मौत पर आशंका जताई है कि उनकी हत्या के इरादे से उन्हे ट्रेन के आगे फेंका गया है। पुलिस ने जांच कराने की बात कही है। सदर कोतवाली क्षेत्र के गोलतालाब कसहाई निवासी रवि कुमार ने बताया कि उसके दादा 48 वर्षीय आशादीन पुत्र देवनाथ राजगीर मिस्त्री थे। वह बुधवार की सुबह घर से काम पर जाने की बात कहकर निकले थे लेकिन देर रात तक नहीं लौटे। इस पर परिजनों ने कई जगह फोन आदि के माध्यम से ढूढने का प्रयास किया, लेकिन जानकारी नहीं मिली। बताया कि गुरूवार की सुबह जीआरपी व कोतवाली पुलिस की ओर से फोन आया कि आशादीन रेल पटरी पर पडे हैं। वहां पहुंचने पर उनकी शिनाख्त की। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। भतीजे रवि व अन्य परिजनों ने बताया कि आशादीन की मौत पर संदेह है कि कहीं उन्हें किसी ने मारकर रेल पटरी पर फेंका है। इसकी जांच कराने की मांग की। बताया कि आशादीन की पत्नी सरोज कुछ घरेलू कारणों से मायके में रहती है। उनके दो पुत्री व एक पुत्र, पिता के साथ कर्वी में ही रहते हैं। इस संबंध में जीआरपी थाना प्रभारी शालिनी भदौरिया ने बताया कि परिजनों ने कोई तहरीर तो नहीं दी है लेकिन मामले में आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार रेलवे पुल पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है।

अमेरिका के डा प्रकाश हृदय रोग विशेषज्ञ कैंप में देगे सेवाएं

चित्रकूट। श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित जानकीकुंड चिकित्सालय में 8 से 13 फरवरी तक हृदय रोग कैंप का आयोजन होना तय हुआ है। जिसमे अमेरिका के डा प्रकाश डी शाह मुख्य रूप से अपनी सेवा देगे। चिकित्सालय की जनरल वरिष्ठ सर्जन डा पूनम अडवाणी और डॉ दीपक शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रस्ट एवं चिकित्सालय टीम ने ये फैसला लिया है कि हर महीने टीबी कैंप, न्यूरो कैंप, नाक कान गला कैंप सहित और भी तमाम शिविर आम जनमानस को लाभ पहुंचाने के लिए आयोजित किए जाए। इसी क्रम में अमेरिका के हृदय रोग विशेषज्ञ डा प्रकाश डी शाह हृदय रोग कैंप के माध्यम से हृदय रोगियों को देखेगे। क्षेत्र के लोगो से अपील किया कि शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं।

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत आईडीए अभियान फरवरी की द्वितीय अंर्तविभागीय बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में आईडीए कार्यक्रम के प्रभावी एवं सफल संचालन के लिए विभिन्न विभागों की भूमिका, दायित्वों तथा आपसी समन्वय पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि अभियान के दौरान जनसामान्य तक दवाओं की शत प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित की जाए तथा जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करें। बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंगनबाडी केन्द्रों का निरीक्षण कर डीएम ने देखी व्यवस्थाएं

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने नगर क्षेत्र कर्वी के आंगनवाड़ी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महेन्द्र पटेल एवं प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुलदत्त तिवारी व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लालजी यादव मौजूद रहे। आंगनवाडी केन्द्र शत्रुध्नपुरी के निरीक्षण के दौरान आंगनवाडी सपना ने अवगत कराया कि उनके केन्द्र पर 3 से 6 वर्ष के 85 बच्चे, 16 गर्भवती एवं 19 धात्री माताएं तथा 29 किशोरियां पंजी.त है। मौके पर 15 बच्चे व 12 महिलाएं उपस्थित रहीं। आंगनवाड़ी केन्द्र प्राइवेट भवन में संचालित है। केन्द्र में 3 सैम श्रेणी के बच्चे एवं 23 मैम श्रेणी के बच्चे पंजी.त है। डीएम ने निर्देश दिये कि व्यक्तिगत रूचि लेते हुए सैम मैम श्रेणी के बच्चों की संख्या अतिशीघ्र शून्य की जाये। प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिये कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से समन्वय कर आंगनवाडी केन्द्र को प्राथनिक विद्यालय सोनेपुर में शीघ्र स्थानान्तरित कर संचालित कराया जाये। अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका कर्वी को निर्देश दिये गये कि प्राथमिक विद्यालय की बाउण्ड्रीवाल को नगर पालिका कर्वी से निर्मित कराये जाने की कार्यवाही करें। आंगनवाड़ी केन्द्र भरतपुरी के निरीक्षण के दौरान आंगनवाडी कार्यकत्री रजुली पांडेय ने बताया कि केन्द्र पर 3 से 6 वर्ष के 67 बच्चे, 9 गर्भवती एवं 6 धात्री माताएं तथा 19 किशोरियां पंजी.है। मौके पर 10 बच्चे व 6 महिलाएं उपस्थित थी। आंगनवाड़ी केन्द्र प्राइवेट भवन के एक कहा में संचालित है। केन्द्र में एक सैम, एक मैम श्रेणी का बच्चा पंजी.त है। आंगनवाडी कार्यकत्री को निर्देशित किया कि अपनी कार्यशौली में सुधार लाये तथा कलेण्डर के अनुसार प्रत्येक दिवस गतिविधयॉ आयोजित कराई जायं। अन्यथा नियमानुसार अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इसी प्रकार आंगनवाड़ी केन्द्र अम्बिकाकुंज का निरीक्षण कर निर्देश दिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया ।

आस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज जोश हेजलवुड टूर्नामेंट से बाहर

टी20 विश्व कप 2026 से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। चयनकर्ताओं ने अभी उनके रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की है, जिससे पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण पर संकट बढ़ गया है। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गए हैं, जिसकी सह–मेजबानी भारत और श्रीलंका 7 फरवरी से करने जा रहे हैं। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई पुरुष राष्ट्रीय टीम के चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने हेजलवुड की हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अनुपलब्धता की पुष्टि की और बताया कि उनके स्थान पर किसी और खिलाड़ी का नाम बाद में घोषित किया जाएगा। राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने खुलासा किया

कि हेजलवुड को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के पहले मैच से ठीक पांच दिन पहले ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप 2026 टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अब 35 वर्षीय तेज गेंदबाज की स्थिति बदल गई है। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार, डोडेमाइड ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर एट्स चरण तक मैच फिटनेस हासिल कर लेंगे, लेकिन नवीनतम संकेत बताते हैं कि उन्हें अभी कुछ समय लगेगा। उनके फिटनेस प्रोग्राम में जल्दबाजी करना जोखिम भरा होगा। हम तुरंत किसी प्रतिस्थापन खिलाड़ी का नाम नहीं लेंगे। हमें लगता है कि शुरुआती मैचों के लिए हमारे पास पर्याप्त खिलाड़ी हैं, इसलिए हम उस समय की प्राथमिकता के आधार पर कोई भी निर्णय लेंगे।हिजलवुड आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए चोटिल खिलाड़ियों की सूची में साथी तेज गेंदबाज और कप्तान पैट कमिंस के साथ शामिल हो गए हैं, जिससे टूर्नामेंट की शुरुआत में मिशेल मार्श की अगुवाई वाली टीम के पास तेज गेंदबाजी के विकल्प कम हो गए हैं। फिलहाल, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस ही एकमात्र पूरी तरह से फिट मुख्य तेज गेंदबाज हैं। रिजर्व के तौर पर यात्रा कर रहे शॉन एबॉट को हिजलवुड के प्रतिस्थापन के रूप में टीम में शामिल किया जा सकता है। एडम जम्पा, मैट कुहनेमैन और कूपर कॉनली टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया के मुख्य स्पिन विकल्प हैं।ऑस्ट्रेलिया की 2026 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप टीम मिच मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शियस, कैमरून ग्रीन, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

छठे खिताब पर टीम इण्डियां की नजर, कप्तान आयुष म्हाते ने चुना पहले बैटिंग का फैसला

आईसीसी अंडर–19 विश्व कप 2026 के फाइनल में, भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने इंग्लैंड के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। हरारे में हो रहे इस खिताबी मुकाबले में दोनों ही टीमें अब तक अजेय रही हैं, जहाँ भारत अपने छठे और इंग्लैंड अपने दूसरे खिताब के लिए जोर लगाएगा। भारतीय अंडर–19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने शुक्रवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब, हरारे में आईसीसी अंडर–19 विश्व कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड अंडर–19 के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। आयुष म्हात्रे और उनकी टीम छठी बार अंडर–19 विश्व कप का खिताब जीतने की कोशिश कर रही है। इससे पहले उन्होंने 2022 में यह टूर्नामेंट जीता था। गौरतलब है कि भारत अंडर–19 विश्व कप के फाइनल में 10वीं बार पहुंच रहा है।

वहीं दूसरी ओर, थॉमस रेव की इंग्लैंड टीम अंडर–19 विश्व कप में दूसरी बार जीत हासिल करने की कोशिश कर रही है। उनकी एकमात्र पिछली जीत 28 साल पहले 1998 में हुई थी। इंग्लैंड के लिए यह उनका तीसरा अंडर–19 विश्व कप फाइनल है। भारत और इंग्लैंड दोनों ही टीमें टूर्नामेंट में अब तक अपराजित रही हैं। भारत ने सेमीफाइनल में अपने एशियाई प्रतिद्वंद्वी अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया, वहीं इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी और टूर्नामेंट की दूसरी सबसे सफल टीम ऑस्ट्रेलिया को 27 रनों से मात दी।अंडर–19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ 311 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने इतिहास में सबसे बड़े रन चेज का रिकॉर्ड बनाया। एरोन जॉर्ज की 115 रनों की पारी और

वैभव सूर्यवंशी व कप्तान आयुष म्हात्रे के अर्धशतकों ने भारतीय टीम को जीत दिलाई। दूसरी ओर, इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 27 रनों से हराया। कप्तान थॉमस रेव ने पहली पारी में 110 रनों की निर्णायक पारी खेली, जिसके बाद उनके गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ओलिवर पीक (888 गेंदों पर 100 रन) को मैच जीतने से रोक दिया।भारत अंडर–19 बनाम इंग्लैंड अंडर–19 विश्व कप 2026 फाइनल प्लेइंग 11 भारत न्19 प्लेइंग 11रू एरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (डब्ल्यू), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन। इंग्लैंड अंडर–19 प्लेइंग 11रू बेन डॉकिन्स, जोसेफ मूरेस, बेन मेयस, थॉमस रेव (विकेटकीपरध्कप्तान), कालेब फाल्कनर, राल्फी अल्बर्ट, फरहान अहमद, सेबेस्टियन मॉर्गन, जेम्स मिंटो, मैनी लम्सडेन, एलेक्स ग्रीन।

बीसीसीआई पर सवाल, नजम सेठी ने खोली क्रिकेट राजनीति की परतें

पाकिस्तान और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के विरोध के बाद आईसीसी में क्रिकेट की राजनीति गरमा गई है, जिसके केंद्र में बीसीसीआई का दबदबा है। पूर्व पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी के अनुसार, राजस्व बंटवारे में असमानता और वादों से पीछे हटने की वजह से बोर्ड एकजुट हो रहे हैं, जो टी20 वर्ल्ड कप से पहले एक बड़े टकराव का संकेत है।टी20 वर्ल्ड कप से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की राजनीति एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा के केंद्र में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई और बाकी क्रिकेट बोर्डों के साथ उसके रिश्ते हैं। बांग्लादेश और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से अलग–अलग तरीके से विरोध के संकेत मिलने के बाद आईसीसी में शक्ति संतुलन को लेकर बहस तेज हो गई है।बता दें कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ अपने मुकाबले के बहिष्कार का संकेत दिया है, जबकि बांग्लादेश बोर्ड ने टूर्नामेंट से हटने जैसे कड़े कदम पर विचार किया हैं। इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने बीसीसीआई की भूमिका और उसके प्रभाव को लेकर खुलकर अपनी बात रखी है।मौजूद जानकारी के अनुसार, नजम सेठी का मानना है कि बीसीसीआई लंबे समय से अपने आर्थिक दबदबे का इस्तेमाल कर आईसीसी और अन्य बोर्डों पर असर डालता रहा हैं। इंडिया टुडे से बातचीत में सेठी ने कहा कि पाकिस्तान बोर्ड के फैसले सरकार से सलाह के बाद लिए गए हैं और अभी भी बातचीत की गुंजाइश बनी हुई है। गौरतलब है कि सेठी ने 'बिग थ्री' मॉडल का जिक्र करते हुए कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को आईसीसी राजस्व का बड़ा हिस्सा मिलना शुरू हुआ, जिसका पाकिस्तान ने शुरू से विरोध किया था। उन्होंने बताया कि उस

समय पीसीबी ने इस असमान व्यवस्था को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था और इसी मुद्दे पर बीसीसीआई से मतभेद और गहरे हो गए थे।सेठी ने उस दौर का भी जिक्र किया जब भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज पर सहमति बनी थी, लेकिन ऐन वक्त पर बीसीसीआई के पीछे हट जाने को उन्होंने सबसे बड़ा अपमान बताया हैं। उनके अनुसार, मुंबई जाकर भी बीसीसीआई नेतृत्व से मुलाकात न हो पाना रिश्तों में आई दरार का बड़ा उदाहरण रहा है। वर्तमान हालात पर बात करते हुए सेठी ने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश अगर साथ आते हैं तो वे आईसीसी के भीतर एक मजबूत संदेश दे सकते हैं। उन्होंने माना कि इस विरोध से तात्कालिक नुकसान हो सकता है, लेकिन लंबे समय में इससे ज्यादा संतुलित और निष्पक्ष आईसीसी की राह बन सकती है।

कप्तान स्मृति मंधान का तूफान, दिल्ली को हराकर आरसीबी दूसरी बार बनी चौंपियन

कप्तान स्मृति मंधाना (87) और जॉर्जिया वोल (79) के शानदार अर्धशतकों की बदौलत रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने डब्ल्यूपीएल फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ आरसीबी ने अपना दूसरा डब्ल्यूपीएल खिताब जीतकर मुंबई इंडियंस की बराबरी कर ली है।कप्तान स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वोल के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने महिला प्रीमियर लीग चार के बड़े स्कोर वाले रोमांचक फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब जीत लिया। अब रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियनस दोनों के नाम पर दो–दो डब्ल्यूपीएल खिताब हो गए हैं। दिल्ली की टीम को लगातार चौथी बार फाइनल में खेलते हुए शिकस्त का सामना करना पड़ा।दिल्ली के 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने स्मृति (87 रन, 41 गेंद, 12 चौके, तीन छक्के) और जॉर्जिया (79 रन, 54 गेंद, 14 चौके) के बीच दूसरे विकेट की 165 रन की साझेदारी से 19.4 ओवर में चार

विकेट पर 204 रन बनाकर जीत दर्ज की। चिनेल हेनरी (34 रन पर दो विकेट) और नंदिनी (41 रन पर एक विकेट) ने अंतिम ओवरों में दिल्ली कैपिटल्स को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाईं। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स(57), लॉरा वोल्वार्ट (44), सलामी बल्लेबाज लिजेल ली (37) और सलामी बल्लेबाज हेनरी (नाबाद 35) की पारियों से चार विकेट पर 203 रन बनाए।जेमिमा ने 37 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके मारे और वोल्वार्ट के साथ तीसरे विकेट के निए 76 रन जोड़े जिन्होंने 25 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और दो छक्के मारे। हेनरी ने 15 गेंद में दो चौके और दो छक्के जड़े और वोल्वार्ट के साथ चौथे विकेट के लिए सिर्फ 24 गेंद में 55 रन की तूफानी साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने दूसरे ओवर में ही ग्रेस हैरिस (09) का विकेट गंवा दिया जिन्हें हेनरी ने बोल्ड किया। कप्तान स्मृति और जॉर्जिया ने इसके बाद पारी को संभाला। स्मृति ने हेनरी पर चौके से खाता खोला जबकि जॉर्जिया ने मारिजेन कैप और हेरनी पर दो–दो चौके मारे। स्मृति ने नंदिनी की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 59 रन तक पहुंचाया। स्मृति ने नंदिनी पर छक्के के साथ 10 ओवर में टीम के रनों का सैकड़ा पूरा किया और फिर श्री चरणी की गेंद को भी दर्शकों के बीच पहुंचाया। जॉर्जिया ने श्री चरणी की गेंद पर एक रन के साथ 37 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि स्मृति ने स्नेह राणा पर चौके के साथ सिर्फ 22गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के 150 रन 14 ओवर में पूरे हुए। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 42 रन की दरकार थी। मीनू मनि ने जॉर्जिया को शेफाली के हाथों कैच कराके स्मृति के साथ उनकी साझेदारी को तोड़ा। रिचा घोष (06) ने नंदिनी पर चौका मारा लेकिन दो गेंद पर मीनू को कैच दे बैठीं। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को अंतिम दो ओवर में 18 रन की जरूरत थी। डि क्लर्क ने हेनरी पर चौका मारा लेकिन इस तेज गेंदबाज ने स्मृति को बोल्ड कर दिया। इस ओवर में आठ रन बने। अंतिम ओवर में बल्लेबाजों को जीत के लिए 10 रन बनाने थे औरराधा यादव (नाबाद 12) ने श्री चरणी पर लगातार दो चौकों के साथ टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे पहले स्मृति ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद लिजेल और शेफाली वर्मा (20) ने 49 रन जोड़कर दिल्ली कैपिटल्स को सधी हुई शुरुआत दिलाई। शेफाली ने लॉरेन बेल पर पारी का पहला चौका मारा जबकि लिजेल ने सयाली सतघरे (46 रन पर एक विकेट) पर लगातार दो छक्के जड़े। शेफाली ने अरुंधति रेड्डी (40 रन पर एक विकेट) पर दो चौके मारे लेकिन इसी ओवर में विकेटकीपर ऋचा घोष को कैच दे बैठीं। दिल्ली ने पावर प्ले में एक विकेट 53 रन बनाए। वोल्वार्ट ने आते ही अरुंधति पर चौका जड़ा जबकि लिजेल ने श्रेयंका पाटिल का स्वागत लगातार

वीरेंद्र सहवाग को भारतीय टीम पर भरोसा, इतिहास रचने की उम्मीद

टी20 क्रिकेट की बदलती गतिशीलता का विश्लेषण करते हुए वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली भारतीय टीम हर चुनौती के लिए तैयार है। उन्होंने टीम को बाहरी दबाव से बचने के लिए सोशल मीडिया से दूर रहने की सलाह दी और उम्मीद जताई कि यह टीम 2011 की तरह घरेलू मैदान पर वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास दोहराएगी।टी20 क्रिकेट अब वैसा नहीं रहा, जैसा 2007 में था, जब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने पहली बार टी20 वर्ल्ड कप जीतकर सबको चौंका दिया था। उस दौर में 160द्170 का स्कोर बचाव योग्य माना जाता था, लेकिन बदलते समय के साथ खेल की रफ्तार भी बदली है और अब 250 से ज्यादा रन भी सुरक्षित नहीं माने जाते हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, युवा बल्लेबाजों की आक्रामक सोच, बड़े शॉट्स पर लगातार काम और बल्लेबाजों के अनुकूल हालात ने टी20 को पूरी तरह बदल दिया है।गौरतलब है कि अब 200 से ऊपर के स्कोर आम बात हो चुके हैं, जब तक पिच या मौसम बल्लेबाजों के खिलाफ न हो। ऐसे में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाला आगामी टी20 वर्ल्ड कप बल्लेबाजों का टूर्नामेंट साबित हो सकता है। इसी कड़ी में भारत के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम इतिहास रचने की पूरी क्षमता रखती है।सहवाग ने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम शानदार क्रिकेट खेल रही है और हालिया 4–1 से न्यूजीलैंड पर मिली सीरीज जीत इसका उदाहरण है। उन्होंने बताया कि टीम में युवा जोश और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन दिखाई देता है, जो बड़े टूर्नामेंट में बेहद अहम होता है। बता दें कि सहवाग ने युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी तेज शुरुआत भारत को विरोधियों पर शुरुआती दबाव बनाने में मदद करती है, ठीक वैसे ही जैसे वह अपने करियर में किया करते थे।मौजूद जानकारी के अनुसार, ईशान किशन की हालिया शतकीय पारी और वरुण चक्रवर्ती की सटीक गेंदबाजी भी टीम की ताकत को और बढ़ाती है। सहवाग का मानना है कि निचले क्रम में रिंकू सिंह और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी किसी भी समय मैच का रुख बदल सकते हैं, खासकर तब जब शीर्ष क्रम जल्दी आउट हो जाए।गौरतलब है कि अब तक कोई भी टीम घरेलू जमीन पर टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है, लेकिन सहवाग को भरोसा है कि जैसे भारत ने 2011 में घर पर वनडे वर्ल्ड कप जीता था, वैसे ही यह टीम टी20 में भी इतिहास बना सकती है। उन्होंने यहां तक कहा कि यह भारतीय टीम 2007 की विश्व विजेता टीम से भी अधिक संतुलित और मजबूत है,

रियल एस्टेट सेक्टर के लिए आरबीआई का बड़ा कदम बैंकों से कर्ज ले सकेंगे

उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने कहा कि बैंकों को रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) को ऋण देने की अनुमति देने के आरबीआई के प्रस्ताव से किराये से आय वाली संपत्तियों के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण तक पहुंच आसान होगी और ऐसे न्यासों की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) ने रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक क्रांतिकारी प्रस्ताव पेश किया है। आरबीआई ने अब बैंकों को रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (त्म्प्ज्) को प्रत्यक्ष रूप से ऋण देने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों और विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से न केवल रियल एस्टेट कंपनियों की वित्तीय स्थिति सुधरेगी, बल्कि इसमें निवेश करने वाले आम लोगों (इकाई धारकों) की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।उन्होंने कहा कि इस कदम से रीट के विकास में मदद मिलेगी और इसमें निवेश करने वालों (इकाई धारकों) की आय में वृद्धि होगी। शुक्रवार को, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए वित्तपोषण के दायरे को व्यापक बनाने के उद्देश्य से कुछ विवेकपूर्ण रक्षोपाय के साथ बैंकों को रीट को ऋण देने की अनुमति देने का प्रस्ताव किया। रीट ऐसे निवेश माध्यम हैं जो आय उत्पन्न करने वाली रियल एस्टेट संपत्तियों के मालिक होते हैं या उनका संचालन करते हैं।इससे निवेशक सीधे संपत्ति खरीदे बिना ही उससे होने वाली आय में हिस्सा पाने में सक्षम होते हैं। वर्तमान में, भारत में पांच सूचीबद्ध रीट हैं ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट, एम्बैसी ऑफिस पार्क्स रीट, माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट, नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट और नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट।

हर महिला के पास होने चाहिए ये 5 तरह की लेगिंग, हर मौके पर आएंगी काम

लेगिंग आजकल की महिलाओं के लिए एक जरूरी फैशन आइटम बन गई हैं। ये न केवल आरामदायक होती हैं, बल्कि सही तरह से पहनने पर स्टाइलिश भी लगती हैं। बाजार में अलग–अलग प्रकार की लेगिंग उपलब्ध हैं, जिन्हें आप मौकों के हिसाब से पहन सकती हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको 5 तरह की लेगिंग के बारे में बताने वाले हैं, जो हर महिला के पास होनी चाहिए और जिनसे वे हर मौके पर स्टाइलिश दिख सकती हैं।रोजमर्रा की लेगिंगरोजमर्रा की लेगिंग दैनिक उपयोग के लिए सबसे अच्छी रहती हैं। ये लेगिंग सूती कपड़े से बनी होती हैं और इनमें खिंचाव भी होता है, जिससे इन्हें पहनना बहुत आरामदायक लगता है। आप इन्हें टी–शर्ट या कुर्ते के साथ पहन सकती हैं। ये लेगिंग घर से बाहर जाने या दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती हैं। इनका रंग और डिजाइन भी आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं।कसरत वाली लेगिंगकसरत वाली लेगिंग एक्सरसाइज करने के लिए बनाई जाती हैं। इनमें अधिक खिंचाव होता है और ये पसीना सोखने वाली होती हैं, जिससे आपकी एक्सरसाइज का अनुभव बेहतर हो सकता है। इन लेगिंग की खासियत यह है कि ये जल्दी से सूख जाती हैं और लंबे समय तक अच्छी गुणवत्ता में रहती हैं। आप इन्हें जिम या घर पर योग या एक्सरसाइज करते समय पहन सकती हैं। अच्छे ब्रांड वाली लेगिंग में निवेश करें, ताकि वे जल्दी खराब न हों।ऑफिस के लिए लेगिंगऑफिस के लिए लेगिंग कामकाजी माहौल के लिए उपयुक्त होती हैं। इनमें अधिक फिटिंग होती है और ये अधिक पेशेवर लुक दे सकती हैं। आप इन्हें ब्लाउज या शर्ट के साथ पहन सकती हैं। इन लेगिंग की खासियत यह है कि ये आपको एक साफ–सुथरा लुक देती हैं, जिसे ऑफिस या किसी औपचारिक कार्यक्रम में पहना जा सकता है। ऑफिस के लिए आपको काली, गहरी नीली या सफेद लेगिंग लेनी चाहिए।पार्टी वाली लेगिंगपार्टी वाली लेगिंग खासतौर पर त्योहारों या किसी विशेष अवसर पर पहनी जा सकती हैं। इनमें चमकदार तत्व एलजीई हो सकते हैं, जैसे चमकीले रत्न या ग्लिटर। ये आपको पार्टी में अलग दिखा सकती हैं और खास लुक दे सकती हैं। आप इन्हें चोली या किसी स्टाइलिश टॉप के साथ पेयर कर सकती हैं।

इन लेगिंग की खासियत यह है कि ये कई अलग–अलग तरीकों से स्टाइल की जा सकती हैं और आराम से भी समझौता नहीं करना पड़ता है।यात्रा के लिए लेगिंगये लेगिंग आप लंबी यात्रा करते समय पहन सकती हैं। इनमें आमतौर पर एक पट्टा लगा होता है, जो कमर पर फिट रहता है और इनमें जेब भी होती हैं। इन जेबों में आप छोटी–मोटी चीजें रख सकती हैं, जो यात्रा के दौरान काम आती हैं। इन लेगिंग की खासियत यह है कि ये पूरी तरह से आरामदायक अनुभव देती हैं, चाहे आप कितनी भी देर तक इन्हें पहने रहें। आप इन्हें टैंक टॉप के साथ पेयर कर सकती हैं।

सेब का स्वाद इन भारतीय पकवानों को बना देगा और लजीज, बार-बार खाने का करेगा दिल

सेब एक ऐसा फल है, जो स्वाद में बेहतरीन होता है और सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आमतौर पर लोग सेब का जूस पीते हैं या फिर इसे कच्चा खाते हैं। हालांकि, इसके जरिए आप कई अनोखे और लजीज व्यंजन भी बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको 5 स्वादिष्ट व्यंजनों की रेसिपी बताएंगे, जो सेब से बनती हैं। ये व्यंजन आपके घर में सभी को पसंद आएंगे और झटपट बन जाएंगे।सेब का रायतारायता भारतीय खान–पान की एक बेहतरीन साइड डिश है। आमतौर पर यह दही और सब्जियों से बनाया जाता है, लेकिन आप सेब से भी इसे तैयार कर सकते हैं। इसके लिए दही में कद्दूकस किया हुआ सेब मिला दें। इसके बाद इसमें भुना हुआ जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा–सा काला नमक डाल दें। इसे अच्छे से मिलाकर ठंडा करें और खाने से पहले इसमें थोड़ा–सा हरा धनिया डालें। यह रायता आपके खाने को एक नया और चटपटा स्वाद देगा।सेब की चटनीआपने आम, पुदीने या नारियल की चटनियां तो कई बार बनाई होंगी। हालांकि, इस बार सेब की खट्टी–मीठी चटनी बनाकर परिवार वालों को खिलाएं। इसके लिए सेब को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इसमें अदरक–लहसुन, हरी मिर्च, नमक और थोड़ा–सा नींबू का रस मिलाकर पीस लें। इसे आप चावल, पराठे, रोटी या फिर पकौड़े आदि जैसे किसी भी व्यंजन के साथ खा सकते हैं। इसका खट्टा–मीठा स्वाद आपको जरूर पसंद आएगा।

सेब का पुलावपुलाव तो सभी के घरों में बनता है, लेकिन अगर इसमें सेब का जायका जुड़ जाए तो मजा दोगुना हो जाता है। इसके लिए बासमती चावल को धोकर भिगो दें। इसी दौरान कढ़ाई में घी गर्म करके उसमें जीरा, तेजपत्ता और लौंग डालें। अब प्याज और अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें, फिर इसमें कद्दूकस किया हुआ सेब मिलाएं और मसाले डालें। इसके बाद चावल और पानी डालकर पकाएं। यह पुलाव न केवल स्वादिष्ट होगा, बल्कि सेहतमंद भी होगा।सेब की सब्जीरोजाना एक ही तरह की सब्जियां खा–खा कर ऊब गए हैं तो सेब की सब्जी बना लें। इसके लिए प्याज और टमाटर का पेस्ट बनाकर तेल में भूनें। इसके बाद इसमें अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर पका लें। अब मसाले डालकर पानी मिलाएं और उबाल आ जाने दें। इसके बाद इसमें कटे हुए सेब डालकर पका लें। थोड़ी देर पकाने के बाद इसमें नारियल का दूध मिलाएं।

धुरंधर 2 और टाक्सिक से डरी पेड्डी? अब 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी राम चरण की फिल्म

तेलुगु सुपरस्टार राम चरण के फैंस के लिए गुड न्यूज है. राम चरण की आगामी एक्शन स्पोर्ट्स ड्रामा पेड्डी की नई रिलीज डेट आ गई है. मेकर्स ने फिल्म के नए पोस्ट के साथ नई रिलीज डेट से पर्दा हटाया है. फिल्म की रिलीज डेट को अप्रैल तक टाल दिया गया है.डायरेक्टर बुची बाबू सना की बेसब्री से इंतजार की जा रही फिल्म पेड्डी के मेकर्स ने बुधवार को अनाउंस किया कि यह जबरदस्त एक्शन एंटरटेनर फिल्म अब इस साल अप्रैल में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. मेकर्स ने आगामी फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए बताया कि यह फिल्म अब 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.वहीं, राम चरण ने भी पेड्डी की नई रिलीज डेट के बारे में जानकारी देने के लिए अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है और कैप्शन मे लिखा है, पेड्डी आपसे 30 अप्रैल, 2026 को मिलेंगी. याद दिला दें कि फिल्म के मेकर्स ने पहले अनाउंस किया था कि फिल्म इस साल 27 मार्च को रिलीज होगी. लेकिन अब यह 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.मार्च में बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्में रिलीज हो रही हैं, जिनमें से दो बड़ी फिल्में लोगों का ध्यान खींच रही है– पहली रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 और एक्टर यश की टॉक्सिक. ये दोनों फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में एक–दूसरे को टक्कर देने उतरेंगी. माना जा रहा है कि इन दोनों फिल्मों के टकराव से बचने के लिए मेकर्स ने पेड्डी की डेट आगे बढ़ाने का फैसला किए होंगे.बता दें पेड्डी की यूनिट ने पिछले साल दिसंबर के आखिरी हफ्ते में अपना दिल्ली शेड्यूल पूरा कर लिया था. जाने–माने सिनेमैटोग्राफर रत्नावेलु ने अपने इंस्टाग्राम पेज

पर दिल्ली के सेट से तस्वीरें पोस्ट की थीं. उन्होंने यह भी बताया था कि यूनिट ने दिल्ली शेड्यूल को शानदार तरीके से पूरा कर लिया है. पेड्डी में राम चरण और जाह्नवी कपूर के अलावा शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा भी अहम भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म वृद्धि सिनेमाज, मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा प्रोड्यूस की गई है. ए.आर. रहमान ने इस फिल्म में म्यूजिक दिया है.

नेशनल अवार्ड विजेता विक्रांत मैसी बनें प्रोड्यूसर, लव स्टोरी फिल्म मुसाफिर कैफे से करेंगे धमाका

नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता विक्रांत मैसी, जो अपनी शानदार एक्टिंग और कंटेंट–फुल फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी क्रिएटिव जर्नी में नया कदम रख रहे हैं. वह अपनी आने वाली फिल्म मुसाफिर कैफे के साथ प्रोड्यूसर बन रहे हैं. अपनी पीढ़ी के बेहतरीन एक्टर्स में गिने जाने वाले मैसी हमेशा ऐसी कहानियां चुनते हैं जो भावनात्मक, सामाजिक और इंसानी हों, इसलिए प्रोडक्शन में कदम रखना उनके लिए बिलकुल नेचुरल है.मुसाफिर कैफे के साथ विक्रांत मैसी कहानी के हर पहलू में खुद को और करीब से जोड़ना चाहते हैं और ऐसी कहानियों को सामने लाना चाहते हैं जो ईमानदार, जमीन से जुड़ी और असली जिंदगी के अनुभवों पर आधारित हों. यह रोमांटिक ड्रामा दिव्या प्रकाश दुबे के उपन्यास पर आधारित है, जो इसकी कहानी और भावनाओं को और मजबूत बनाता है.अपने करियर के इस नए और खास अध्याय के बारे में बात करते हुए विक्रांत ने कहा, यह मौका मेरे लिए बिलकुल सही लगा, इतने शानदार क्रिएटर्स और टैलेंट के साथ काम करना और एक ऐसे क्षेत्र में कदम रखना जो उतना ही रोमांचक और ईमानदार लगता है। यह यात्रा अभी शुरू ही हुई है, और मुझे जो भरोसा और प्रोत्साहन मिला उसके लिए मैं सच में बहुत आभारी हूं.मुसाफिर कैफे प्यार, हीलिंग और खुद को समझने जैसी बातें दिखाता है और अपनी भावनाओं और असलियत के जरिए दर्शकों को जोड़ना चाहता है. यह दिखाता है कि मैसी सिर्फ अच्छी कहानियों में एक्ट नहीं करना चाहते, बल्कि उन्हें पीछे से सपोर्ट और शेप भी करना चाहते हैं. प्रोड्यूसर बनकर वह ऐसी फिल्मों के लिए अपनी कमिटमेंट दिखा रहे हैं, जो मजबूत कहानी, अलग अंदाज और असरदार स्टोरीटेलिंग पर ध्यान देती हैं. मुसाफिर कैफे विक्रांत मैसी के लिए एक नए क्रिएटिव चौप्टर की शुरुआत है और उन्हें एक ऐसे स्टोरीटेलर के रूप में पेश करता है जो सोच–समझकर, लंबे समय तक असर रखने वाली फिल्में बनाना चाहते हैं, जो दर्शकों से गहरा कनेक्शन बना सकें. इसके बाद वह इंटरनेशनल थ्रिलर बायोपिक व्हाइट में नजर आएंगे, जिसमें वे स्पिरिचुअल लीडर गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर का रोल निभाएंगे.

योगी दा में बिना किसी बाडी डबल के सभी स्टंट मैंने खुद किए-साई धनशिका

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म योगी दा की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म योगी दा में सभी स्टंट खुद किए हैं।उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं।

एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, मैंने पहली बार पेरानमाई में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। योगी दा में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अच्छे स्टंट कर सकती हैं।उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं।

समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन योगी दा दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए बनाई है।साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की।

उन्होंने कहा कि योगी दा का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कबाली से प्रेरित है। मैंने कबाली में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम योगी था। इसी से योगी दा की शुरुआत हुई। हमने कबाली के लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना। कबाली के लिए मैंने असल में अपने बाल कटवाए थे, लेकिन इस फिल्म के लिए विग का इस्तेमाल किया।

कबाली के बाद कई महिलाओं ने मेरे किरदार से प्रेरित होकर बाल कटवाए थे। तब मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म लोगों पर कितना गहरा असर डाल सकती है।एक्ट्रेस ने अपनी पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा, मेरी पूरी टीम को बहुत–बहुत शुक्रिया।

मोनालिसा की फिल्म द डायरी आफ मणिपुर का पहला लुक आया सामने, दिखी पुरानी वाली मासूमियत, मूवी को लेकर दी नया अपडेट

महाकुंभ 2025 में करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच एक साधारण सी लड़की अचानक चर्चा का केंद्र बन गई थी नाम था मोनालिसा। माला बेचते हुए उनकी सादगी और खूबसूरती ने लोगों का ध्यान खींचा और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो गए। कैमरों और रील्स के बीच खड़ी मोनालिसा की जिंदगी ने यहीं से एक नया मोड़ ले लिया। महाकुंभ के दौरान फिल्ममेकर सनोज मिश्रा की नजर मोनालिसा पर पड़ी। उनकी सादगी और मासूमियत ने डायरेक्टर को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने मोनालिसा को अपनी फिल्म में कास्ट करने का फैसला कर लिया। यहीं से मोनालिसा का सफर मेले से फिल्मों की दुनिया की ओर बढ़ा।अब मोनालिसा अपनी पहली बड़ी फिल्म श्द डायरी ऑफ मणिपुरश् की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता अमित राव के साथ नजर आएंगी, जो राजकुमार राव के भाई हैं। फिल्म के पूरा होने के साथ ही मोनालिसा का आत्मविश्वास भी साफ तौर पर झलकने लगा है। महाकुंभ के लगभग एक साल बाद मोनालिसा एक बार फिर प्रयागराज लौट रही हैं। इस बार वह माघ मेले में माला बेचने के लिए नहीं, बल्कि एक उभरती हुई बॉलीवुड अभिनेत्री के रूप में पहुंचेंगी। उनके लिए यह वापसी भावनात्मक भी है और ऐतिहासिक भी।सनोज मिश्रा, जो श्गांधीगीरीश और श्शशांकश् जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी पूरी टीम के साथ माघ मेले में शामिल होने जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद टीम मां गंगा का आशीर्वाद लेने प्रयागराज पहुंचेगी, जिससे इस सफर को एक आध्यात्मिक पूर्णता मिलेगी। डायरेक्टर के मुताबिक, श्द डायरी ऑफ मणिपुरश् की शूटिंग कई चरणों में पूरी की गई। पहले शेड्यूल की शूटिंग उत्तर प्रदेश के इटावा में हुई, फिर टीम मणिपुर पहुंची, जहां अलग–अलग लोकेशन्स पर अहम सीन फिल्माए गए। इसके बाद नेपाल में एक शेड्यूल पूरा किया गया और फिल्म का बड़ा हिस्सा देहरादून में शूट हुआ। पिछले हफ्ते फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली गई। डायरेक्टर ने बताया कि मोनालिसा को अभी भी भाषा और उच्चारण में दिक्कत आती है। इसी वजह से फिल्म में उनके किरदार के लिए डबिंग का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि इसके बावजूद उनकी एक्टिंग को लेकर डायरेक्टर बेहद संतुष्ट हैं और मानते हैं कि वह पूरी तरह से अपने रोल में ढल चुकी हैं। फिल्म श्द डायरी ऑफ मणिपुरश् मणिपुर की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें हिंसा और संघर्ष के माहौल के बीच पनपती एक प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म में मोनालिसा एक नॉर्थ इंडियन लड़की का किरदार निभा रही हैं। एक साधारण मेले से शुरू हुआ यह सफर अब सिनेमा के बड़े पर्दे तक पहुंच चुका है और मोनालिसा की कहानी अभी बस शुरुआत है।

फिल्म इक्का का टीजर जारी, ओटीटी पर सुनाई देगी सनी देओल की दहाड़, अक्षय खन्ना की दमदार वापसी

सनी देओल और अक्षय खन्ना अपनी–अपनी फिल्मों बॉर्डर 2 और धुरंधर की सफलता का जश्न मना रहे हैं। अब दोनों एक साथ पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी फिल्म इक्का का टीजर जारी कर दिया गया है, जिसे देखकर फैंस का उत्साह चरम पर है। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा द्वारा निर्देशन फिल्म में, सनी एक हाई प्रोफाइल वकील के किरदार में हैं, वहीं धुरंधर के बाद अक्षय को फिर से नकारात्मक किरदार निभाते दिखाया गया है।इक्का का टीजर जारी करते हुए लिखा गया, खून या खून का रिश्ता, किसके हाथ में है इस खेल का इक्का? जल्द नेटफ्लिक्स पर। टीजर में सनी हर बार की तरह दमदार लगे हैं। एक दृश्य में वो अक्षय को जोरदार थप्पड़ भी मारते हैं। दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम, संजीदा शेख, ज्योति मुखर्जी, शिशिर शर्मा और आकांक्षा रंजन भी सीरीज का हिस्सा हैं। सीरीज का निर्माण मल्होत्रा और सपना मल्होत्रा ने एल्केमी फिल्म्स के बैनर तले किया है। सनी ने इस टीजर में सिर्फ एक डायलॉग शट अप बोला है। टीजर में अक्षय खन्ना की झलक भी देखने को मिली है। उनका अंदाज भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। सनी देओल के साथ उनका तीखा आमना–सामना दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। अक्षय खन्ना का भी एक डायलॉग है। उन्होंने सिर्फ टिक टिक बूम बोला है। फिल्म इक्का कोर्टरूम ड्रामा है, जिसमें कानून, रिश्ते और नैतिक दुविधाओं की टक्कर देखने को मिलेगी। फिल्म इक्का में सनी देओल और अक्षय खन्ना के अलावा दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम और संजीदा शेख की झलक भी देखने को मिल रही है। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा निर्देशित इस फिल्म की रिलीज डेट का अभी तक आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है।

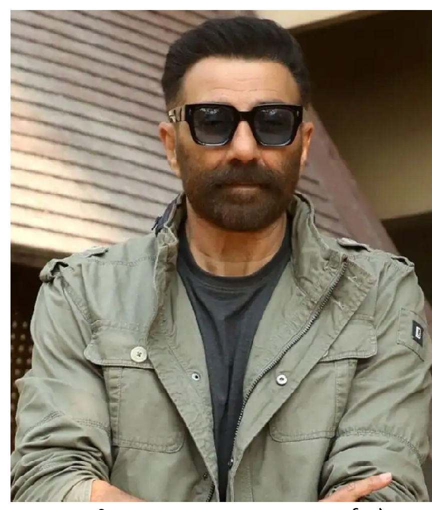

बार्डर 2 बाक्स आफिस पर 12वें दिन सनी देओल की फिल्म की कमाई में आया उछाल, 400 करोड़ की राह हुई आसान

सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ की वार ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 ने 12 दिने पूरे कर लिए हैं. इन 12 दिनों में फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई 400 करोड़ रुपये के करीब आ गई है. भारत में फिल्म 350 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है. इधर, रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 को बॉक्स ऑफिस पर लोग भूलते दिख रहे हैं. चलिए जानते हैं बॉर्डर 2 की 12 वें दिन और मर्दानी 3 की पांचवें दिन कमाई कितनी हुई है.बॉर्डर 2 की कमाई में 12वें दिन हल्का उछाल देखा गया. फिल्म ने 12वें दिन 6.69 करोड़ रुपये की कमाई की है. वहीं, बॉर्डर 2 ने 11वें दिन भारत में 6.52 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. जबकि फिल्म ने बीते रविवार 24.22 करोड़ रुपये कमाए थे. फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 315.10 करोड़ रुपये हो चुका है और फिल्म का वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये के करीब आ रही है. सैकनिल्क की मानें तो, बीती 30 जनवरी को रिलीज हुई रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 ने पांचवें दिन 2.50 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. फिल्म का भारत में कुल कलेक्शन 22 करोड़ रुपये का हो गया है.बता दें, हाल ही में, बॉर्डर 3 का भी ऐलान किया गया है. फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार और निधि दत्ता ने बॉर्डर 3 की गुडन्यूज फैंस को दी थी और अब फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार है. वहीं, बॉर्डर 2 की बात करें तो इसका निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह लीड रोल में हैं. फिल्म में अक्षय खन्ना का भी कैमियो दिखाया जा रहा है.

आलिया भट्ट ने दृश्यम 2 निर्देशक अभिषेक पाठक से मिलाया हाथ, होगा बड़ा धमाका

अभिनेत्री आलिया भट्ट आगामी फिल्म एल्फा को लेकर चर्चा में हैं जो इसी साल रिलीज होगी। खबर है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म के लिए कमर कस ली है। अभिनेत्री एक हाई–वोल्टेज ड्रामा प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रही हैं, जिसके लिए उन्होंने निर्देशक अभिषेक पाठक से हाथ मिलाया है। इस फिल्म का शीर्षक हाउसवाइफ होगा और आलिया को एक विवाहित महिला का किरदार निभाते देखा जाएगा। बता दें, अभिषेक ने अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 2 का निर्देशन किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाउसवाइफ नाम वाली इस फिल्म की कहानी एक विवाहित जोड़े के इर्द–गिर्द घूमेगी जिसमें आलिया एक गृहणी के किरदार में होंगी। फिल्म में मुख्य पुरुष किरदार के लिए राजकुमार राव से बातचीत चल रही है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी दिलचस्पी तो दिखाई है, लेकिन अभी तक कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है। अगर राजकुमार हामी भरते हैं, तो पहली बार फिल्मी पर्दे पर आलिया और राजकुमार की जोड़ी दिखाई देगी।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आलिया हाउसवाइफ में सिर्फ अभिनय नहीं करेंगी, बल्कि अपनी कंपनी एटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस और पैनोरमा स्टूडियोज के सहयोग से सह–निर्माता भी होंगी। फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर, 2026 के बीच शुरू होने की संभावना है। तब तक निर्देशक दृश्यम 3 की शूटिंग पूरी कर लेंगे जिसके जरिए अजय की दमदार वापसी होगी। फिलहाल, आलिया लव एंड वार में व्यस्त चल रही हैं, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक-शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।